हरिभूमि
जीटी रोड भूमि
रोहतक, रविवार 11 जनवरी 2026

तापमान
अधिकतम 21.6 डिग्री
न्यूनतम 1.6 डिग्री

12 तेलू राम मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा सैनी धर्मशाला ...

12 सब्जी कारोबारियों को नहीं मिल रही बुनियादी ...

खबर संक्षेप

व्यक्ति से बहला फुसला कर हड़पे 40 हजार रुपये

यमुनानगर। शहर की पुरानी सब्जी मंडी के पास एटीएम से पैसे निकाल कर घर जा रहे व्यक्ति से अज्ञात ने बहला फुसला कर 40 हजार रुपए ठग लिए। जब उसे अपने साथ हुई ठगी का पता चला तो उसने मामले की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मामले की जांच के बाद अज्ञात के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोप में केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

चोरीशुदा मोबाइल बरामद, एक काबू

करनाल। जिला पुलिस करनाल की अपराध अन्वेषण शाखा-3 ने मोबाइल चोरी के एक मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरीशुदा मोबाइल फोन बरामद किया है। यह कार्रवाई विश्वसनीय सूचना के आधार पर की गई। गिरफ्तार आरोपी की पहचान संदीप कुमार, निवासी दाहा, जिला करनाल, के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी को नई अनाज मंडी, करनाल क्षेत्र से काबू किया।

सट्टा खेलते आरोपी को पकड़ा, 13470 रुपये बरामद

करनाल। जिला पुलिस करनाल द्वारा अवैध सट्टेबाजी के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना बुटाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पर्ची के माध्यम से सट्टा खेलते हुए एक आरोपी को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई उप-निरीक्षक संदीप कुमार के नेतृत्व में की गई। गिरफ्तार आरोपी की पहचान गुरदीप सिंह, निवासी तरावड़ी, जिला करनाल, के रूप में हुई है। पुलिस ने मौके से 13 हजार 470 रुपये नकद बरामद किए हैं, जो सट्टेबाजी से संबंधित बताए गए हैं।

मारपीट व नगदी चोरी का दूसरा आरोपी काबू

इसराना। थाना इसराना पुलिस ने गांव इसराना में 9 दिसंबर की रात किराना दुकान में घुसकर मारपीट व गल्ले से नगदी चोरी की वारदात में शामिल दूसरे आरोपी को गिरफ्तार किया। आरोपी की पहचान इसराना निवासी अनिल उर्फ प्राण के रूप में हुई है। थाना इसराना प्रभारी सब इंस्पेक्टर महीपाल ने बताया कि आरोपी अनिल को पकड़ने के लिए थाना इसराना पुलिस की टीम आरोपी के संभावित ठीकानों पर दबिश दे रही थी।

फर्जी दस्तावेज से कनेक्शन ट्रांसफर कराने का आरोपी धरा

इसराना। थाना इसराना पुलिस ने फर्जी दस्तावेज से ट्यूबवेल कनेक्शन ट्रांसफर कराने के आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान बुडशाम गांव निवासी राममेहर के रूप में हुई है। थाना इसराना प्रभारी सब इंस्पेक्टर महीपाल ने बताया कि एसडीओ ने थाना इसराना में दी शिकायत में बुडशाम निवासी रामेहर पुत्र बलवंत पर अपने पिता के नाम का ट्यूबवेल कनेक्शन फर्जी दस्तावेज देकर अपने नाम कराने का आरोप लगाया था।

दुकान में घुसकर चुराया हजारों रुपये का सामान

यमुनानगर। शहर के डाबड़ा अस्पताल के नजदीक स्थित दुकान में घुसकर चोरों ने हजारों रुपये का सामान चोरी कर लिया। पुलिस ने मामले की जांच के बाद अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

खड़ी कार में लगी आग पुलिस ने शुरू की जांच

अंबाला। डीआरएम कार्यालय में कार्यरत स्टेशन मास्टर अनीषा कुमारी की शास्त्री कॉलोनी की मुख्य रोड किनारे खड़ी वरना कार में आग लग गई। अनीषा रात के समय कार को खड़ी करने के बाद किराये के कमरे में चली गई थी। सुबह आकर देखा तो कार जली हुई थी। 6 जनवरी की रात को करीब 3 बजे कार संदिग्ध परिस्थितियों में धू-धू कर जल रही थी। दमकल विभाग की गाड़ी ने मौके पर आकर काबू पाया था।

सीनियर महिला वर्ग की 30 किमी व्यक्तिगत टाइम ट्रायल प्रतियोगिता में हरियाणा की पारुल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया

खेलो इंडिया महिला रोड साइक्लिंग लीग नॉर्थ जोन इवेंट का भव्य शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कुरुक्षेत्र

साइक्लिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया, खेलो इंडिया तथा हरियाणा स्टेट साइक्लिंग एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में अस्मिता खेलो इंडिया महिला रोड साइक्लिंग लीग-नॉर्थ जोन इवेंट का सफल आयोजन शाहबाद मारकंडा, कुरुक्षेत्र में किया गया। प्रतियोगिता में उत्तर भारत के विभिन्न राज्यों से पहुंची महिला साइकिलिस्टों ने उत्साह और अनुशासन के साथ भाग लेते हुए अपनी खेल प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। सीनियर महिला वर्ग की 30 किमी व्यक्तिगत टाइम ट्रायल प्रतियोगिता में हरियाणा की पारुल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

कुरुक्षेत्र। अतिथियों को सम्मानित करते आयोजक। फोटो: हरिभूमि

लड़कियों के लिए इस तरह की प्रतियोगिताएं अत्यंत महत्वपूर्ण

कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने महिला खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से न केवल खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिलता है, बल्कि महिलाएं आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास की दिशा में भी सशक्त होती हैं। आयोजकों द्वारा की गई व्यवस्थाओं की भी सराहना की गई। हरियाणा स्टेट साइक्लिंग एसोसिएशन की ओर से कहा गया कि युवाओं, विशेषकर लड़कियों के लिए इस तरह की प्रतियोगिताएं अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। इन आयोजनों से खेल संस्कृति को मजबूती मिलती है और खिलाड़ियों के लिए भविष्य में राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने के मार्ग प्रशस्त होते हैं।

जूनियर महिला वर्ग की 20 किमी व्यक्तिगत टाइम ट्रायल स्पर्धा में पंजाब का हर्षिता प्रथम

साइक्लिंग के विकास के लिए हरसंभव प्रयास किए जाते रहेंगे। सीनियर महिला वर्ग की 30 किलोमीटर व्यक्तिगत टाइम ट्रायल स्पर्धा में हरियाणा की पारुल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि पंजाब की रेजिया दूसरे और चंडीगढ़ की रीत तीसरे स्थान पर रहीं। जूनियर महिला वर्ग की 20 किलोमीटर व्यक्तिगत टाइम ट्रायल स्पर्धा में पंजाब की हर्षिता जाखड़ ने प्रथम, हरियाणा की वंशिका ने द्वितीय तथा आशूरिया ने तृतीय स्थान हासिल किया। प्रतियोगिता के दौरान आयोजन स्थल पर खेल प्रेमियों की अच्छी खासी मौजूदगी रही। सफल आयोजन से क्षेत्र में खेलों के प्रति उत्साह का माहौल देखने को मिला और महिला साइक्लिंग को एक नई दिशा मिली। साइक्लिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया की एथलीट्स कमीशन के कन्वीनर जगदीप सिंह काहलों, पुरषोतम सिंह, साइक्लिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के पीसीपी गुरनाम सिंह, जसबीर सिंह भुल्लर, कुलदीप सिंह साइक्लिंग कोच, सुनील कुमार, समीर कुमार, प्रवीन कुमार सहित एसोसिएशन के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में खेल प्रेमी उपस्थित थे।

19 जनवरी को आदिबद्री सरस्वती कुंड से किया जाएगा महोत्सव का शुभारंभ

अंतरराष्ट्रीय सरस्वती महोत्सव को भव्य बनाने को लेकर मंथन

हरियाणा सरस्वती विकास बोर्ड के वाइस चेयरमैन धूमन सिंह किरमच ने बताया कि आदिबद्री में सरस्वती सरोवर पर स्वदेशी थीम पर आधारित सरस मेले का आयोजन किया जाएगा। जिसमें स्वयं सहायता समूह द्वारा 20 स्टाल लगाए जाएंगे।

सीएम नायब सिंह सैनी अंतरराष्ट्रीय सरस्वती महोत्सव का शुभारंभ करेंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

हरियाणा सरस्वती धरोहर विकास बोर्ड द्वारा 19 जनवरी से 23 जनवरी तक अंतराष्ट्रीय सरस्वती महोत्सव 2026 भव्य रुप से मनाया जाएगा। महोत्सव का शुभारंभ 19 जनवरी को आदिबद्री स्थित सरस्वती कुंड से किया जाएगा। वहीं, महोत्सव का समापन 23 जनवरी को पेहवा स्थित सरस्वती तीर्थ स्थल पर किया जाएगा। उक्त जानकारी हरियाणा सरस्वती धरोहर विकास बोर्ड के वाइस चेयरमैन धूमन सिंह किरमच ने आदिबद्री स्थित गरुड़ टूरिस्ट कांप्लेक्स में आयोजित संबंधित अधिकारियों की बैठक में दी। मौके पर हरियाणा विद्युत नियामक बोर्ड के सदस्य मुकेश गर्ग भी मौजूद रहे। बोर्ड के वाइस चेयरमैन धूमन सिंह किरमच ने कहा कि हरियाणा के मुख्य मंत्री नायब सिंह सैनी अंतराष्ट्रीय सरस्वती महोत्सव का विधिवत शुभारंभ करेंगे। साथ ही विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास व उद्घाटन करेंगे। उन्होंने बताया कि इस बार अंतराष्ट्रीय सरस्वती महोत्सव का शुभारम्भ 19 जनवरी को होगा और 23 जनवरी को सरस्वती तीर्थ पेहोवा कुरुक्षेत्र में समापन होगा। उन्होंने बताया कि सरस्वती सरोवर पर हवन यज्ञ, श्लोक उच्चारण व आरती होगी।

महोत्सव का 23 जनवरी को सरस्वती तीर्थ पिहोवा में होगा समापन

यमुनानगर। आदिबद्री में सरस्वती महोत्सव को लेकर आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए बोर्ड के वाइस चेयरमैन धूमन सिंह किरमच। फोटो: हरिभूमि

स्कूली बच्चे देंगे प्रस्तुति

विभिन्न स्कूलों के बच्चों द्वारा सरस्वती पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। स्कूली स्तर के बच्चों की पेंटिंग प्रतियोगिता का भी आयोजन होगा। मुख्यमंत्री द्वारा प्रतिभागियों को सम्मानित किया जाएगा। धूमन ने बताया कि आदिबद्री में सरस्वती सरोवर पर स्वदेशी थीम पर आधारित सरस मेले का आयोजन किया जाएगा। जिसमें स्वयं सहायता समूह द्वारा लगभग 20 स्टाल लगाए जाएंगे।

भारतीय संस्कृति के बोए बीज

बोर्ड के वाइस चेयरमैन धूमन सिंह किरमच ने कहा कि वैदिक सरस्वती, छह हजार ईसा पूर्व के दौरान उत्तर पश्चिम भारत की एक शक्तिशाली और पवित्र नदी थी। जो पंजाब, हरियाणा और राजस्थान से होकर गुजरती थी और अंत में गुजरात तट पर कच्छ के रण में गिरती थी। करीब तीन हजार ईसा पूर्व में लुप्त हो गई थी। सरस्वती नदी के तट पर भारतीय संस्कृति के बीज बोए गए थे।

आदिबद्री सरस्वती कुंड प्राचीन तीर्थ स्थलों में से एक

जो समय के साथ प्राचीन दुनिया की एक महान सभ्यता के रूप में विकसित हुई। इसे दुनिया के सबसे प्राचीन तीर्थस्थलों में से एक के रूप में जाना जाता है। वेद, ब्राह्मण और उपनिषद जैसे कई महान साहित्यिक शब्दों की रचना और संकलन इतिहास के सबसे सुदूर हिस्से में सरस्वती नदी और उसकी सहायक नदियों के तट पर किया गया था। मौके पर व्यासपुर के एसडीएम जसपाल सिंह गिल, आर्कियोलॉजिकल विभाग के डिप्टी डायरेक्टर नरेंद्र परमार, डीडीपीओ नरेंद्र सिंह, व्यासपुर के डीएसपी हरविंदर सिंह, नायब तहसीलदार व्यासपुर रविंद्र कुमार, बीईओ नरेश पाल व सरस्वती हेरिटेज बोर्ड के सदस्य लक्ष्य बिंद्रा, राजन प्रकाश,ऋषि पाल, संदीप बालियान व अनिल गुप्ता लाडवा आदि मौजूद रहे।

अंबाला में तीन बदमाश झपटा मार रहे थे

महिला ने दिखाई बहादुरी मोबाइल चोर को पकड़वाया

घिरता देख तीन बदमाशों में दो बाइक छोड़कर भाग गए लेकिन एक को पकड़ लिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

अंबाला छावनी के रेलवे रोड पर एक महिला ने अपनी बहादुरी से झपटमारों के पसीने छुड़ा दिए। न्यू शालीमार कॉलोनी की रहने वाली सिमरन ने न केवल अपने मोबाइल को छीने जाने से बचाया, बल्कि निडरता दिखाते हुए झपटमारों की बाइक भी गिरवाकर एक को मौके पर ही पकड़वा दिया। खुद को घिरता देख तीन में से दो बदमाश अपनी बाइक मौके पर ही छोड़कर पैदल भागने पर मजबूर हो गए। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने बाइक को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। पकड़े गए आरोपी की पहचान फुलेल माजरा के अंकित के रूप में हुई है। सिमरन की शिकायत पर अंबाला कैंट थाना पुलिस ने छीनाझपटी व अपराध करने का प्रयास करने की धाराओं के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी। सिमरन ने बताया कि वह एरियन हेल्थ केयर कंपनी में काम करती है। शाम 5 बजकर 30 मिनट पर घर लौट रही थी। जैसे ही वह एसडीएम कार्यालय के निकट रेलवे रोड पर पहुंची तो तभी बाइक सवार तीन युवकों ने साथ में बाइक लगाते हुए मोबाइल झपटने का प्रयास किया। घबराने के बजाय पूरी ताकत के साथ एक बदमाश की बाजू पकड़ ली। इससे बाइक का संतुलन बिगड़ गया और तीनों बदमाश सड़क पर गिर पड़े। दो झपटमार बाइक छोड़ गलियों में हुए रफूचक्कर मुख्य सड़क पर गिरने के बाद बदमाशों ने भागने की कोशिश की, लेकिन महिला के साहस और आसपास के लोगों के इकट्ठा होने के डर से दो आरोपी इतने घबरा गए बाइक छोड़कर भाग गए।

घर में घुसकर तीन भाइयों पर बोला हमला

यमुनानगर। छछरौली थाना क्षेत्र के गांव रेडे माजरा इब्राहिमपुर में कहासुनी होने पर कुछ युवकों ने घर में घुसकर तीन भाइयों पर हमला कर दिया। आरोपियों ने कुल्हाड़ी से वार कर अंगूठे पर वार किया जिससे अंगूठे में फ्रैक्चर कर दिया। पुलिस ने मामले की जांच के बाद पांचों आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। गांव इब्राहिमपुर निवासी तासिम ने छछरौली थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका कुछ दिन पहले गांव के ही असलम व सलीम के साथ किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई थी। उस समय अन्य लोगों ने समझा कर मामला शांत करवा दिया था। इसके बाद से आरोपी उससे रंजिश रखने लगे। तासीम ने बताया कि तीन जनवरी को रात 11 बजे वह अपने घर पर सोए हुए थे। इस दौरान असलम व सलीम ने अपने साथियों हाशिम, साजिद व कुर्बान के साथ मिलकर उनके घर में घुसकर उस पर तथा उसके भाइयों अकरम व नूर मोहम्मद पर हमला कर दिया।

कार की टक्कर से बाइकर्स की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

यमुनानगर के मिल्क माजरा के पास हुआ हादसा

गांव मिल्क माजरा के पास अज्ञात वाहन की टक्कर लगने से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करवा परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने अज्ञात कार चालक के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। गांव पालेवाला निवासी शुभम कुमार ने थाना छप्पर पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका भाई 28 वर्षीय रजत शर्मा अपनी बाइक पर आठ जनवरी को किसी काम से गया था। शाम को साढ़े पांच बजे जब वह वापस घर लौट रहा था तो मिल्क माजरा के पास तेज गति से आ रही कार ने उसके भाई रजत शर्मा की बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से रजत गंभीर रूप से घायल हो गया। आरोपी कार चालक कुछ देर मौके पर रुकने के बाद वहां से फरार हो गया। आसपास के लोगों ने हादसे की सूचना डायल 112 पुलिस टीम को दी। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घायल को अस्पताल में भर्ती करवाया। जहां पर इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करवा परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

छात्रों की कला व संवेदनशीलता ही समाज को नई दिशा देगी: ढांडा

शिक्षा मंत्री ने अटल संचार भवन का उद्घाटन किया

कुरुक्षेत्र। शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा को हस्तनिर्मित पोट्रेट भेंट करते विद्यार्थी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान में हरियाणा के शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा ने शुक्रवार को संस्थान के अटल संचार भवन का भव्य उद्घाटन किया। पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी को समर्पित यह भवन आने वाले समय में देश के लिए संस्कारवान और प्रखर पत्रकार तैयार करने का केंद्र बनेगा। इस गरिमामयी समारोह का सबसे विशेष आकर्षण विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा रही। मीडिया संस्थान के प्रतिभावान छात्रों ने अपनी तूलिका और रंगों के जादू से मुख्य अतिथि महीपाल ढांडा और स्वदेशी जागरण मंच के राष्ट्रीय सह-संगठक सतीश के अत्यंत सुंदर और जीवंत पोट्रेट तैयार किए। शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा और स्वदेशी जागरण मंच के राष्ट्रीय सह-संगठक सतीश सतीश ने अपने-अपने चित्रों को देखकर छात्रों की कला की जमकर प्रशंसा की।

कुवि: अनुसंधान कार्यप्रणाली पर कार्यशाला

शोध मौलिक समाधान खोजने की प्रक्रिया: प्रो. राकेश कुमार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा के मार्गदर्शन में शोध को सशक्त बनाने के उद्देश्य से वाणिज्य विभाग द्वारा एक सप्ताह की अनुसंधान कार्यप्रणाली कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यक्रम के अंत में अंतिम सत्र के मुख्य अतिथि डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. राकेश कुमार व डॉ. वनीता ढींगरा ने इस कार्यशाला के आयोजन की पहल की सराहना की और इसके महत्व पर प्रकाश डाला। प्रो. राकेश कुमार ने कहा कि अनुसंधान केवल डिग्री प्राप्त करने का माध्यम नहीं है, बल्कि समाज की समस्याओं का मौलिक समाधान खोजने की एक प्रक्रिया है। शोधार्थियों को तकनीक और नैतिकता का सही संतुलन बनाकर वैश्विक स्तर का गुणवत्तापूर्ण शोध कार्य करना चाहिए। कार्यशाला के समापन दिवस पर गुरु जम्भेश्वर यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस ऐंड टेक्नोलॉजी, हिसार से आमंत्रित डॉ. वीके बिश्नोई ने फैक्टर एनालिसिस विषय पर तथा दूसरे सेशन डॉ. दिनेश गुप्ता ने राइटिंग क्वालिटी रिसर्च पेपर विषय पर व्याख्यान दिया।

कुरुक्षेत्र। शोधार्थी को प्रमाण पत्र देते प्रो. राकेश कुमार और डॉ. वनीता।

मौसम

धुंध के बादल छाए रहने से अच्छी धूप नहीं निकल रही

पानी की कमी से फसल पीले पड़ने और बालियां छोटी होने का खतरा

बारिश नहीं होने से गेहूं की फसल में ग्रोथ हुई धीमी किसानों को फसल की पैदावार कम होने की आशंका

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

सर्दी के मौसम में बारिश नहीं होने और पिछले करीब बीस दिन से आए दिन घना कोहरा छाए रहने व आसमान में धुंध के बादलों के साथ शीतलहर चलने से गेहूं की फसल में ग्रोथ नहीं बन रही है। किसानों ने गेहूं की फसल में ग्रोथ नहीं बनने से फसल की पैदावार कम होने की आशंका जताई है। उन्हें आशंका है कि इस बार गेहूं की पैदावार कम होने से उन्हें आर्थिक नुक्सान झेलना पड़ सकता है।

किसान पवन कुमार, रविंद्र कुमार, प्रदीप कुमार, मायाराम, राजबीर सिंह, गुलाब सिंह व राज सिंह आदि का कहना है कि किसानों को जहां फसलों के लागत के अनुरूप दाम नहीं मिल रहे हैं। वहीं, मौसम भी उनके साथ बेरूखी करने लगा है। इसका उद्हारण यह है कि इस बार सर्दी के मौसम में जहां बारिश नहीं हुई है। वहीं, जिस समय गेहूं के ग्रोथ करने का समय था उस समय अच्छी धूप नहीं खिल रही है। आलम यह है कि पिछले करीब बीस दिन से सुबह के वक्त घना कोहरा पड़ता रहा है और आसमान में धुंध के बादल छाए रहने से अच्छी धूप नहीं निकल रही है। मौसम में सुखी ठंड बनी हुई है।

जिसकी वजह से गेहूं की अगेती व पछेती फसल अभी तक पूरी तरह ग्रोथ नहीं कर सकी हैं। जिससे गेहूं की पैदावार कम होने की आशंका बन गई है। किसानों ने प्रदेश सरकार से किसानों की समस्या को देखते हुए इस बार गेहूं की फसल पर प्रति क्विंटल कम से कम पांच सौ रुपये बोनस दिए जाने की मांग की है।

यमुनानगर। क्षेत्र में खेत में खड़ी हुई अगेती गेहूं की फसल। फोटो: हरिभूमि

लागत के अनुरूप गेहूं के दामों में बढ़ोत्तरी करे सरकार

भारतीय किसान संघ के प्रदेश महामंत्री रामबीर सिंह चौहान ने बताया कि इस बार मौसम गेहूं की फसल के अनुकूल नहीं चल रहा है। सर्दी का मौसम अब बीतने को है और कुछ ही दिनों में बसंत ऋतु शुरु हो जाएगी। गेहूं की फसल सर्दी के मौसम में ग्रोथ करती है। मगर इस बार सर्दी के दिसंबर व जनवरी माह में अब तक बारिश नहीं हुई है। जिससे गेहूं की पैदावार कम होने की आशंका है। उन्होंने सरकार से लागत के अनुरूप गेहूं के दाम दिए जाने या फिर बोनस दिए जाने की मांग की है।

चौथा आलू एक्सपो बना किसानों के लिए तकनीक और बाजार का मजबूत स्तंभ

■ हरियाणा सरकार के कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने बीज आलू उत्पादन में राज्य की प्रगति को बताया ऐतिहासिक उपलब्धि

करनाल। आलू एक्सपो कार्यक्रम में मौजूद कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

हरियाणा बागवानी विभाग द्वारा आयोजित चौथा आलू एक्सपो दो दिवसीय कार्यक्रम के उपरांत सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस राज्य स्तरीय आयोजन में हरियाणा सहित उत्तर प्रदेश, पंजाब, हिमाचल प्रदेश एवं अन्य राज्यों से आए प्रगतिशील किसान, बीज उत्पादक, वैज्ञानिक, आलू क्रेता-विक्रेता, सार्वजनिक व निजी क्षेत्र की कृषि कंपनियों के प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। एक्सपो का मुख्य उद्देश्य आलू उत्पादन की नवीन तकनीकों का प्रदर्शन, उच्च गुणवत्ता वाले बीज आलू को बढ़ावा देना तथा किसानों को बेहतर और सीधा बाजार उपलब्ध कराना रहा। एक्सपो के द्वितीय दिवस एवं समापन समारोह में हरियाणा सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर बागवानी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अर्जुन सिंह सैनी ने पुष्पगुच्छ भेंट कर तथा महानिदेशक डॉ. रणबीर सिंह ने स्मृति चिन्ह प्रदान कर मंत्री का स्वागत किया और संस्थान की गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी। कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने सर्वप्रथम संस्थान में स्थापित अत्याधुनिक टिश्यू कल्चर प्रयोगशाला का निरीक्षण किया, जहां वैज्ञानिकों द्वारा रोग-मुक्त एवं गुणवत्तायुक्त बीज आलू उत्पादन की प्रक्रिया की जानकारी दी गई। इसके पश्चात उन्होंने एयरोपोनिक्स यूनिट का अवलोकन किया, जहां बिना मिट्टी के उन्नत तकनीक से बीज आलू उत्पादन किया जा रहा है। मंत्री ने इस तकनीक को किसानों के लिए क्रांतिकारी बताते हुए कहा कि इससे उत्पादन क्षमता बढ़ने के साथ-साथ लागत में भी उल्लेखनीय कमी आती है। मंत्री ने विभिन्न आलू किस्मों के प्रदर्शन प्रक्षेत्र (ट्रायल्स) का भी निरीक्षण किया, जिनमें कुल 16 उन्नत किस्मों की उपज क्षमता, रोग प्रतिरोधकता और बाजार उपयोगिता पर वैज्ञानिकों से विस्तृत चर्चा की गई। इसके अतिरिक्त उन्होंने नेट हाउस का अवलोकन कर संरक्षित खेती के माध्यम से बीज आलू उत्पादन की संभावनाओं पर जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम के दौरान कृषि मंत्री ने एक्सपो परिसर में स्थापित सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र की विभिन्न कंपनियों के स्टॉलों का भ्रमण किया, जहां बीज, कृषि यंत्र, आधुनिक मशीनरी और तकनीकी सामग्री प्रदर्शित की गई थी। उन्होंने स्टॉल संचालकों से संवाद कर किसानों के हित में किए जा रहे नवाचारों की सराहना की। किसानों, खरीदारों और विक्रेताओं को संबोधित करते हुए कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि यह आलू एक्सपो हरियाणा में उत्पादित उच्च गुणवत्ता वाले बीज आलू को देशभर के किसानों से जोड़ने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि हरियाणा बीज आलू उत्पादन के क्षेत्र में तेजी से अग्रणी राज्य बनकर उभर रहा है, जिससे किसानों की आय में निरंतर वृद्धि हो रही है। उन्होंने कहा कि भारत एक कृषि प्रधान देश है और विकसित भारत तथा विकसित हरियाणा के निर्माण में कृषि क्षेत्र की भूमिका सर्वोपरि है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2014 के बाद कृषि क्षेत्र को नई दिशा मिली है और किसानों को आगे बढ़ने के अवसर प्राप्त हुए हैं। उन्होंने बताया कि हरियाणा सरकार द्वारा 24 फसलों की खरीद न्यूनतम समर्थन मूल्य पर की जा रही है, वहीं बागवानी को प्रोत्साहित करने के लिए भावांतर भरपाई योजना लागू की गई है।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले किसानों को सम्मानित किया

कृषि मंत्री ने बताया कि हरियाणा देश में मछली उत्पादन में दूसरे स्थान पर है तथा शहद के लिए सरकार द्वारा 120 रुपये प्रति किलोग्राम का मूल्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने नागरिकों से स्वदेशी उत्पाद अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि इससे देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। समारोह के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले किसानों को सम्मानित किया गया। पांच प्रगतिशील किसानों को आलू रत्न पुरस्कार प्रदान किया गया, जिसमें प्रत्येक किसान को 11,000 रुपये की नकद राशि दी गई, जबकि 11 किसानों को आलू सम्मान से सम्मानित करते हुए प्रत्येक को 5,100 रुपये की नकद राशि प्रदान की गई। इस अवसर पर यह भी जानकारी दी गई कि संस्थान की टिश्यू कल्चर प्रयोगशाला को 1 अक्टूबर 2025 को नई दिल्ली स्थित जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा निरीक्षण के उपरांत मान्यता प्रमाणपत्र प्रदान किया गया है। इसके अतिरिक्त वर्ष 2024 में राज्य सरकार द्वारा हर आलू ब्रांड का ट्रेडमार्क पंजीकरण भी कराया गया है, जो हरियाणा के बीज आलू की गुणवत्ता, शुद्धता और विश्वसनीयता का प्रतीक है।

सफलता पर आयोजक टीम का आभार व्यक्त किया

कृषि, पशुपालन, मत्स्य पालन और बागवानी को समान रूप से बढ़ावा दिया जा रहा है। कार्यक्रम के अंत में बागवानी विभाग के महानिदेशक डॉ. रणबीर सिंह ने सभी किसानों, वैज्ञानिकों, अधिकारियों, प्रतिभागी फर्मों और आयोजक टीम का आभार व्यक्त किया। कहा कि भविष्य में भी ऐसे आयोजनों के माध्यम से किसानों को नवीन तकनीक, गुणवत्तायुक्त बीज और बेहतर बाजार उपलब्ध कराने के प्रयास निरंतर जारी रहेंगे।

खबर संक्षेप

किसान विज्ञान संगोष्ठी में फसलों पर चर्चा

करनाल। किसान वेलफेयर क्लब की ओर से डीडीए कार्यालय में किसान विज्ञान संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी की अध्यक्षता ईलम सिंह गोरसी ने की। इस अवसर पर क्लब के महासचिव विजय कपूर ने किसानों से खेतों में खड़ी फसलों की स्थिति पर चर्चा की। मुख्य तकनीकी सलाहकार डॉ. धर्मवीर सतीजा ने किसानों को फार्मर पहचान संख्या तथा आने वाले समय में जलवायु परिवर्तन के कारण बढ़ते तापमान से गेहूं और धान की पैदावार पर पड़ने वाले प्रभाव की जानकारी दी। पारीजात इंडस्ट्रीज के विशेषज्ञ डॉ. स्वपनिल सिंह और डॉ. मूलचंद शर्मा ने विभिन्न फसलों को कीट व रोगों से बचाने तथा जड़ विकास के लिए उपयोगी उत्पादों की जानकारी दी।

किसानों की आय बढ़ने के दावे को बताया झूठा

करनाल। भारतीय किसान यूनियन सर छोटूराम ने हरियाणा के कृषि मंत्री द्वारा किसानों की आय बढ़ने संबंधी दिए गए बयान की कड़े शब्दों में निंदा की है। यूनियन प्रवक्ता बहादुर मैहला बलड़ी ने कहा कि करनाल में हाल ही में आए कृषि मंत्री द्वारा किसानों की आय दोगुनी से अधिक होने का दावा पूरी तरह भ्रामक है।
उन्होंने कहा कि जिस प्रदेश में हजारों करोड़ रुपये का धान घोटाला सामने आया हो, जहां फसलों की खरीद समर्थन मूल्य पर नहीं हो रही हो, वहां किसानों की आय बढ़ने की बात करना किसानों के साथ मजाक है। बहादुर मैहला ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने किसानों की कमर तोड़ दी है।

पीएनबी खेल उत्सव का भव्य शुभारंभ

करनाल। पंजाब नेशनल बैंक करनाल मंडल द्वारा आयोजित पीएनबी खेल उत्सव 2026 का शुभारंभ शुक्रवार को अत्यंत उत्साहपूर्ण वातावरण में किया गया। खेल उत्सव का उद्घाटन मंडल प्रमुख त्रिमूर्ति शिव पांडे ने किया। इस अवसर पर उप-मंडल प्रमुख के.डी.एस. अग्रवाल, मंडल कार्यालय के अधिकारी, विभिन्न शाखाओं से आए कर्मचारी एवं खिलाड़ी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। खेल उत्सव के पहले दिन करनाल स्थित अल्फा इंटरनेशनल सिटी के खेल मैदान में क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें मंडल की विभिन्न टीमों ने भाग लेते हुए खेल भावना, अनुशासन और आपसी समन्वय का शानदार प्रदर्शन किया।

महिला विंग की नई अध्यक्ष चुनी गईं मीना

करनाल। करनाल में जेसीआई सिटी की महिला विंग की वर्ष 2026 के लिए मीना काम्बोज को सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुना गया। इस अवसर पर करनाल क्लब में लोहड़ी और मकर संक्रांति का पर्व पारंपरिक उल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान महिला सदस्यों ने गिद्दा, टप्पे, लोकनृत्य और गीतों के माध्यम से उत्सव का आनंद लिया। सभी महिलाओं ने पारंपरिक पंजाबी परिधान पहनकर कार्यक्रम को और भी रंगीन बना दिया। अध्यक्ष मीना काम्बोज ने अपने संबोधन में कहा कि लोहड़ी का पर्व हमारी भारतीय संस्कृति का अभिन्न अंग है, जो आपसी भाईचारे, प्रेम और खुशियों को साझा करने का संदेश देता है।

विधायक भगवान दास कबीरपंथी व नगर पार्षद ने दी शहरवासियों को सौगात

2.6 करोड़ रूपये से लगेंगे तरावड़ी के विकास को पंख, हुआ उद्घाटन

करोड़ों रुपये खर्च कर तरावड़ी शहर को सुंदर, स्वच्छ और बनाने पर दिया गया जोर

तरावड़ी। शहर मे विकास कार्यो का उद्धघाटन करते हुये विधायक भगवान दास कबीरपंथी व नगर पार्षद। फोटो : हरिभूमि

करनाल। विकास कार्यों का उद्घाटन करने विधानसभाध्यक्ष हरविंद्र कल्याण।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तरावड़ी

नगर पालिका तरावड़ी क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में कराए जाने वाले विकास कार्यों का उद्घाटन आज विधायक भगवानदास कबीरपंथी ने विधिवत रूप से किया। इस अवसर पर उनके साथ नगर पालिका अध्यक्ष वीरेंद्र बंसल, नगर पालिका सचिव अजीत कुमार सहित शहर के कई पार्षद एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। उद्घाटन कार्यक्रम में पार्षद ओमप्रकाश मल्होत्रा, देशराज, नरेश गाबा, कमल जांगड़ा, भरत शर्मा, आत्म आनन्द, मुकेश कुमार, जगजीत सिंह, गौरव कुमार, अशोक कुमार, सुरेन्द्र खुराना, लखविंद्र लक्की, के अलावा शहर के अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे। नगर पालिका द्वारा शहर के विभिन्न वार्डों में कुल 2 करोड़ 6 लाख 6 हजार रुपये की लागत से विकास कार्य करवाए जाएंगे।

इन वार्डों में होंगे ये विकास कार्यः

वार्ड नंबर 1 में विभिन्न स्थानों पर मैस्टिक एस्फाल्ट लेयर बिछाने का कार्य 20.96 लाख रुपये, वार्ड नंबर 4 में विभिन्न स्थानों पर सडक़ व नाली की मरम्मत 17.15 लाख रुपये, वार्ड नंबर 4 में सिविल अस्पताल से मन्नत डेयरी तक बॉक्स टाइप आरसीसी ड्रेन का निर्माण 30.16 लाख रुपये, वार्ड नंबर 5 में विभिन्न स्थानों पर सडक़ व नाली की मरम्मत 20.88 लाख रुपये, वार्ड नंबर 8 में अनिल की दुकान से दलिप सिंह/मंदिर तक एवं दुर्गा कॉलोनी के विभिन्न स्थानों पर आईपीबी से सडक़ निर्माण 21.18 लाख रुपये, वार्ड नंबर 10 में विभिन्न स्थानों पर सडक़, नाली व पुलिया की मरम्मत 14.23 लाख रुपये, वार्ड नंबर 11 में मानव सेवा दल से अन्नपूर्णा आश्रम होते हुए बीकानेर स्वीट्स (सोंकरा रोड) तक मैस्टिक एस्फाल्ट लेयर बिछाने का कार्य 15.62 लाख रुपये, वार्ड नंबर 13 में विभिन्न स्थानों पर सडक़, नाली व पुलिया की मरम्मत 20.98 लाख रुपये, वार्ड नंबर 15 में एच/ओ अशोक पंडित से एच/ओ रिंकू खुराना, अशोक विहार में सडक़ व नाली की मरम्मत 11.43 लाख रुपये, वार्ड नंबर 15 में एच/ओ विनोद राणा, अशोक विहार में सडक़ व नाली की मरम्मत 20.76 लाख रुपये,सभी वार्डों में हाई मास्ट लाइट की आपूर्ति, स्थापना व कमीशनिंग 12.71 लाख रुपये से होंगे विकास कार्य।

कुलवेहड़ी में 96 लाख से होगा विकासः कल्याण

करनाल। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने शुक्रवार को करनाल जिले के गांव कुलवेहड़ी को विकास कार्यों की बड़ी सौगात दी। उन्होंने गांव में कुल 96 लाख रुपये की लागत से किए गए विकास कार्यों का उद्घाटन व शिलान्यास किया। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि सरकार से लगभग 44 लाख रुपये के नए विकास कार्यों को भी स्वीकृति मिल चुकी है, जिन पर 31 मार्च से पूर्व कार्य आरंभ करा दिया जाएगा। विधानसभा अध्यक्ष ने गांव में 65 लाख रुपये की लागत से बनने वाले सामुदायिक केंद्र का शिलान्यास किया, जबकि 11 लाख रुपये की लागत से बनी गलियों तथा 20 लाख रुपये की लागत से पांचाल चौपाल में निर्मित हॉल का उद्घाटन किया। उन्होंने बताया कि प्रजापत चौपाल में हॉल व शौचालय, ओड चौपाल, कश्यप चौपाल, बंजारा चौपाल और पांचाल चौपाल से जुड़े अन्य कार्यों के लिए भी बजट स्वीकृत हो चुका है। कार्यक्रम के दौरान पांचाल समाज की ओर से विधानसभा अध्यक्ष का पगड़ी पहनाकर और पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मान किया गया।

खबर संक्षेप

अग्रकुल संस्था ने जरूरतमंदों को दिए 125 ट्रैक सूट

करनाल। अग्रकुल सेवा संस्था महाराजा अग्रसेन द्वारा दिखाए गए सेवा और सहयोग के मार्ग पर चलते हुए निरंतर समाजसेवा के कार्य कर रही है। इसी कड़ी में शनिवार को संस्था द्वारा जरूरतमंद लोगों को 125 ट्रैक सूट वितरित किए गए। संस्था के प्रधान विनोद गुप्ता के नेतृत्व में सदस्य सेक्टर छह स्थित साईं मंदिर के समीप झुग्गी झोपड़ी क्षेत्र में पहुंचे और वहां रह रहे जरूरतमंद लोगों को ट्रैक सूट प्रदान किए। यह सेवा कार्य संस्था के संरक्षक रामकुमार गुप्ता की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इस अवसर पर प्रधान विनोद गुप्ता ने कहा कि कुछ दिन पूर्व संस्था द्वारा गर्म कपड़े और कंबल वितरित किए गए थे। उस दौरान यह अनुभव हुआ कि सर्दी के मौसम में ट्रैक सूट की भी अत्यधिक आवश्यकता है। संस्था के सदस्यों के सहयोग से यह पुण्य कार्य किया गया है। पूर्व प्रधान डॉ. एस.के. गोयल ने कहा कि संस्था महाराजा अग्रसेन की शिक्षाओं का अनुसरण करते हुए आगे भी समाजहित में इसी प्रकार के सेवा कार्य करती रहेगी।

आंदोलन की रणनीति तय करेंगे सेवानिवृत्त कर्मचारी

करनाल। रिटायर्ड कर्मचारी संघ ब्लॉक असंध की बैठक जिला उपप्रधान कर्मवीर शर्मा की अध्यक्षता में पब्लिक हेल्थ कार्यालय करनाल रोड असंध में आयोजित की गई। बैठक का संचालन खंड सचिव राममेहर ने किया। बैठक में बताया गया कि 22 और 23 फरवरी को कुरुक्षेत्र में देशभर के सेवानिवृत्त कर्मचारियों का दूसरा राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। सम्मेलन में सेवानिवृत्त कर्मचारियों की मांगों और आंदोलन की आगामी रणनीति पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। राज्य सचिव कृपाल सिंह, सुरेंद्र रावत और हुकम सिंह राणा ने कहा कि पेंशन वित्त विधेयक के विरोध में पूरे देश के सेवानिवृत्त कर्मचारी लगातार संघर्ष कर रहे हैं और मांगें पूरी होने तक आंदोलन जारी रहेगा। महेंद्र दुहन और दयानंद मान ने संगठन को मजबूत करने, सदस्यता बढ़ाने और लंबित समस्याओं को लिखित रूप में रखने पर जोर दिया। बैठक में श्रीकृष्ण, हुकमचंद, रणधीर, धर्मवीर, सोहनलाल, लहणा सिंह, सुरजभान, रामभगत, रघबीर सिंह, जयभगवान, नरेश कुमार, मोहनलाल व रामकरण सहित बड़ी संख्या में सेवानिवृत्त कर्मचारी उपस्थित रहे।

मराठा शौर्य दिवस को धूमधाम से मनाने का निर्णय

करनाल। अखिल भारतीय मराठा जागृति मंच की बैठक कुंजपुरा रोड स्थित मंच कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक में आगामी 14 जनवरी को गांव बसताड़ा में मराठा शौर्य दिवस को भव्य रूप से मनाने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।
बैठक में मंच के संस्थापक सदस्य मराठा राजेश कल्याण ने कहा कि मराठा शौर्य दिवस को लेकर समाज में भारी उत्साह है और बड़ी संख्या में लोग कार्यक्रम में पहुंचेंगे। उन्होंने कहा कि जो समाज अपने इतिहास से जुड़कर अपने पूर्वजों के बलिदान को याद रखता है, वही समाज आगे बढ़ता है, जबकि इतिहास से प्रेरणा न लेने वाला समाज समय के साथ समाप्त हो जाता है। उन्होंने बताया कि 14 जनवरी 1761 को पानीपत के ऐतिहासिक युद्ध में लाखों मराठा सैनिकों ने सनातन धर्म की रक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया था। उन्हीं महान मराठा वीरों की स्मृति में गांव बसताड़ा में मराठा शौर्य दिवस मनाया जाएगा। इस अवसर पर विशाल भंडारे का भी आयोजन किया जाएगा। बैठक में पूर्व सरपंच ऋषिपाल मराठा, रामकुमार, पूर्व सूबेदार मेजर लाभ सिंह राहड़ा, डॉ. कान सिंह, सुशील मराठा व मराठा रामकुमार सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

521 बासमती के इंडस मेले में उमड़ी भीड़

तरावड़ी। 521 फूडस के सीएमडी पंकज गोयल विदेशी व्यापारियों को जानकारी देते हुए।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तरावड़ी

ग्रेटर नोएडा में वीरवार से शुरू हुये इंडस फूड मेले मे विदेशों से फूडस एक्सपोर्टर व निर्माता हजारों की सख्यां मे पहुंच चुके है। जहां पर वहां पर लगे फूड प्राडक्टस के स्टालों पर पहुंचकर खाद्य पदार्थो की जानकारी हासिल कर रहे है। इसी कड़ी मे तरावड़ी से भी कई राइस एक्सपोर्टर नोएडा में 8 से 10 जनवरी तक आयोजित होने वाले इंडस फूड मेले में तरावड़ी शहर के एक्सपोर्टस और चावल व्यापारी हिस्सा ले रहे। जिसमे तरावड़ी शहर से 521 बासमती चावल व फूडस प्राडक्टस का स्टाल लगाया गया है। जानकारी देते हुए के.एस. ओवरसीज तरावड़ी के सी.एम.डी. पंकज गोयल ने बताया कि आज हमारे स्टाल पर विदेशी व्यापारी पहुंचकर 521 फूडस प्राडक्टस की जानकारी ले रहे। उन्होंने बताया कि विदेशी व्यापारियो के सामने तरावड़ी में तैयार होने वाले बासमती चावल समेत अन्य खाद्य पदार्थों की क्वालिटी को प्रदर्शित किया गया है। हमे उम्मीद है इस बार इस मेले मे अच्छे आर्डर मिलेगे। शहर के प्रसिद्ध उद्योगपत्ति पंकज गोयल ने बताया कि नोयडा में 8 से 10 जनवरी तक आयोजित होने वाला इंडस फूड मेला कृषि, खाद्य प्रसंस्करण, पैकेजिंग, सामग्री, और खाद्य एवं आतिथ्य उद्योगों के लिए नोयडा का अग्रणी आयोजन है। उन्होंने बताया कि विदेशों से फूडस निर्माता यहां आकर अपने ब्रांडो प्रदशित करते है। पंकज गोयल ने बताया कि इस आयोजन की एक अनूठी विशेषता यह है कि आयोजक बूथ निर्माण से लेकर शिपिंग और आवास तक सभी समय लेने वाली प्रदर्शनी सेवाओं को संभालता है।

विधानसभा अध्यक्ष ने सुनीं लोगों की समस्याएं

घरौंडा। जन सुनवाई कार्यक्रम की श्रृंखला में आज हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष ने घरौंडा के पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में लोगों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को उनके निपटारे के निर्देश दिए। मौसम साफ होने के कारण बड़ी संख्या में क्षेत्र के लोग समस्याओं को लेकर रेस्ट हाउस पहुंचे। श्री कल्याण ने करीब ढाई घंटे तक एक-एक कर सभी की समस्याएं सुनीं और उनके समाधान के निर्देश अधिकारियों को दिए। गांव अमृतपुर कलां के लोगों ने कहा कि लाल डोरा सीमा के अंदर सालों से रह रहे हैं लेकिन रजिस्ट्री न होने के कारण उन्हें परेशानी उठानी पड़ रही है। इस पर उन्होंने बीडीपीओ और एसडीएम को इस दिशा में उचित कदम उठाने के निर्देश दिए। सहकारी समितियों की बसों से जुड़े कुछ लोगों ने मांग की गई उन्हें करनाल-बड़ौली मार्ग की बजाए पानीपत रूट पर बस चलाने की इजाजत दिलाई जाए। उन्होंने बताया कि यूपी और हरियाणा रोडवेज की बसें करनाल से शामली तक सीधी आने-जाने से सहकारी समिति की बसों को सवारियां नहीं मिल पा रही हैं। पहले दोनों राज्यों की बसें केवल बड़ौली तक जाती थीं।

कचरे से कंचन अभियान को गति देने के लिए कबाड़ व्यापारियों के साथ अफसरों की बैठक

करनाल। स्वच्छ भारत मिशन के तहत कचरे से कंचन पहल को और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से करनाल नगर निगम आयुक्त डॉ. वैशाली शर्मा ने शहर के प्रमुख कबाड़ व्यापारियों के साथ बैठक की। बैठक में अतिरिक्त निगम आयुक्त अशोक कुमार, स्वच्छता ब्रांड एम्बेसडर कर्नल पी.एस. बिंद्रा तथा सेनीटेशन टीम के अधिकारी मौजूद रहे। निगम आयुक्त ने बताया कि बैठक का उद्देश्य कचरा प्रबंधन को वैज्ञानिक और आर्थिक रूप से मजबूत बनाना है, जिससे स्वच्छता के साथ-साथ रैग पिकर्स और कबाड़ व्यापारियों की आय में भी वृद्धि हो सके। बैठक में पांच-आर सिद्धांत—रिफ्यूज, रिड्यूस, रीयूज, रिपेयर और रिसाइकल—पर विस्तार से चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि शहर के सभी वार्डों में इन सिद्धांतों को चरणबद्ध तरीके से लागू किया जा रहा है और इस अभियान में कबाड़ व्यापारी अहम साझेदार हैं। उन्होंने अलग-अलग कचरा संग्रह केंद्र स्थापित करने, घर-घर कचरा संग्रह में सहयोग देने और रिसाइकलिंग इकाइयों से साझेदारी करने के सुझाव दिए। स्वच्छता ब्रांड एम्बेसडर कर्नल पी.एस. बिंद्रा ने कहा कि दूध व खाद्य सामग्री के खाली पैकेटों को रैग पिकर्स एकत्र कर कबाड़ दुकानों तक पहुंचाएं, जिससे नालियों में कचरा न जाए, शहर स्वच्छ रहे और रैग पिकर्स की आमदनी भी बढ़े।

प्लास्टिक के प्रयोग पर होगी सख्त कार्रवाई

शिकायतों का समय पर करें समाधान

■ नगर निगम आयुक्त के अधिकारियों को सख्त निर्देश कूड़ा जलाने पर होगी कार्रवाई

करनाल। निगम अधिकारियों को निर्देश देती हुई नगर निगम आयुक्त डॉ. वैशाली शर्मा।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

नगर निगम आयुक्त ने समाधान शिविर एवं जन संवाद में प्राप्त शिकायतों को लेकर समीक्षा बैठक की। उन्होंने निगम अधिकारियों और अभियंताओं को निर्देश दिए कि पोर्टल पर दर्ज सभी मांगों और शिकायतों का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए तथा उनकी कार्यवाही रिपोर्ट समय पर अपलोड की जाए। उन्होंने कहा कि गड्ढे भरने, सीवरेज व बरसाती पानी की लाइनों की सफाई, मैनहोल कवर और खराब स्ट्रीट लाइट से संबंधित शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर तुरंत निपटाया जाए। किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कूड़ा जलाने, अतिक्रमण और एकल उपयोग प्लास्टिक पर सख्ती आयुक्त ने शहर में कूड़ा जलाने की घटनाओं पर पूर्ण रोक लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यदि कोई व्यक्ति कूड़ा जलाते पाया जाता है तो तुरंत चालान किया जाए। साथ ही बाजारों को अतिक्रमण मुक्त करने, एकल उपयोग प्लास्टिक के प्रयोग व बिक्री पर कार्रवाई तथा अवैध निर्माण और अनधिकृत विज्ञापन हटाने के भी निर्देश दिए गए।

रेंज स्तरीय सड़क सुरक्षा परीक्षा में शैलजा मलिक प्रथम

करनाल। सड़क सुरक्षा विभाग द्वारा आयोजित रेंज स्तरीय सड़क सुरक्षा परीक्षा में डीएवी पीजी कॉलेज करनाल की छात्रा शैलजा मलिक ने प्रथम स्थान प्राप्त कर कॉलेज और जिले का नाम रोशन किया। इससे पूर्व भी शैलजा जिला स्तरीय परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त कर चुकी हैं। चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के कुलपति एवं कॉलेज प्राचार्य डॉ. रामपाल सैनी ने शैलजा की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि सड़क सुरक्षा आज के समय का अत्यंत महत्वपूर्ण विषय है और युवाओं की इसमें निर्णायक भूमिका है। उन्होंने विद्यार्थियों से यातायात नियमों के प्रति सजग और जिम्मेदार बनने का आह्वान किया। रोड सेफ्टी क्लब के संयोजक डॉ. आशीष गुप्ता ने बताया कि शैलजा मलिक अर्थशास्त्र विभाग की छात्रा हैं और उनकी यह उपलब्धि विषय के प्रति गहरी समझ, अनुशासन और सामाजिक जिम्मेदारी को दर्शाती है। आयोजित सम्मान समारोह में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दीपिका अग्रवाल, कांची सिंघल, डीएसपी राजीव कुमार, जिला प्रभारी निरीक्षक दर्शन सिंह तथा जिला समन्वयक एएसआई अजय कुमार भी उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

किसानों का सशक्तिकरण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता

पानीपत। हरियाणा सरकार किसानों के कल्याण के लिए निरंतर योजनाएं बनाकर उन्हें जमीनी स्तर पर प्रभावी रूप से लागू कर रही है। किसानों के हित में हरियाणा सरकार की सराहनीय पहल है जिनका किसानों का निश्चित रूप से लाभ प्राप्त होगा। उपायुक्त डॉ.विरेंदर कुमार दहिया ने बताया कि कृषि तथा किसान कल्याण विभाग द्वारा गन्ना तकनीकी परियोजना के अंतर्गत वर्ष 2025.26 में गन्ने की नोटिफाईड एवं सिफारिश की गई किस्मों की खेती को बढ़ावा देने के लिए किसानों को अनुदान प्रदान किया जाएगा।

एलएण्डटी कंपनी के ठेकेदारों की शिकायत मंत्री को

पानीपत। नार्थ इंडिया एंटी करपशन एण्ड क्राईम प्रीवेंशन आग्रेनाइजेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष यशपाल मलिक ने केन्द्रीय भुतल एवं परिवहन मंत्री भारत सरकार को पत्र लिखकर पानीपत में टोल संचालित कर रही एलएण्डटी कंपनी के ठेकेदारों द्वारा पैसे लेकर सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे कराए जाने का आरोप लगाया है।

मारपीट व नगदी चोरी का दूसरा आरोपी गिरफ्तार

इसराना। थाना इसराना पुलिस ने गांव इसराना में 9 दिसंबर की रात किराना दुकान में घुसकर मारपीट व गल्ले से नगदी चोरी की वारदात में शामिल दूसरे आरोपी को गिरफ्तार किया। आरोपी की पहचान इसराना निवासी अनिल उर्फ प्राण के रूप में हुई है। थाना इसराना प्रभारी सब इंस्पेक्टर महीपाल ने बताया कि आरोपी अनिल को पकडऩे के लिए थाना इसराना पुलिस की टीम आरोपी के संभावित ठीकानों पर दबिश दे रही थी। पुलिस पकड़ से बचने के लिए आरोपी अनिल ठीकाने बदल बदल कर छुपकर रह रहा था। वहीं आरोपी ने न्यायालय में सरेंडर कर दिया। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय से दो दिन के पुलिस रिमांड पर लिया है। आरोपी ने पूछताछ में मामले में पहले काबू हो चुके इसराना निवासी ओमबीर व दो अन्य साथी आरोपियों के साथ मिलकर उक्त वारदात को अंजाम देना स्वीकारा है।

हरियाणवी साहित्य संगोष्ठी 16 को आर्य कॉलेज में

पानीपत। दादा लख्मीचंद सोशल वेलफेयर ट्रस्ट हरियाणा तथा हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी पंचकूला के संयुक्त तत्वाधान में 16 जनवरी को आर्य कॉलेज में प्रातः 11 बजे संगोष्ठी आयोजित की जाएगी। संगोष्ठी का विषय है हरियाणवीं साहित्य में सूर्य कवि पंडित लख्मीचंद जी का योगदान। मुख्य वक्ता डा. बाबुराम अध्यक्ष हिंदी विभाग बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय रोहतक, डॉ.धर्मदेव विद्यार्थी निदेशक हरियाणा साहित्य अकादमी, डॉ.बालकिशन राज्य गीत लेखक, मा. गुलाब पांचाल ओएसडी शिक्षा मंत्री व मा.राजेश कुमार लेखक कवि होंगे।

हेल्थ चेकअप व नेचुरोपैथी कैंप आयोजित

पानीपत। डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन पूजा गोयल के आधिकारिक दौरे के दौरान इनर व्हील क्लब पानीपत मिड टाउन ने अध्यक्ष रूपाली चोपड़ा के नेतृत्व में नेचर क्योर क्लिनिक मॉडल टाउन में एक हेल्थ चेकअप और नेचुरोपैथी कैंप का आयोजन किया गया।

भोपाल में हुई प्रतियोगिता, गांव और प्रदेश का नाम रोशन किया

जौरासी के होनहार खिलाड़ी अरुण ने नेशनल ड्रैगन बोट रेस में जीता गोल्ड

टूर्नामेंट में देशभर से 18 राज्यों की टीमों ने हिस्सा लिया था

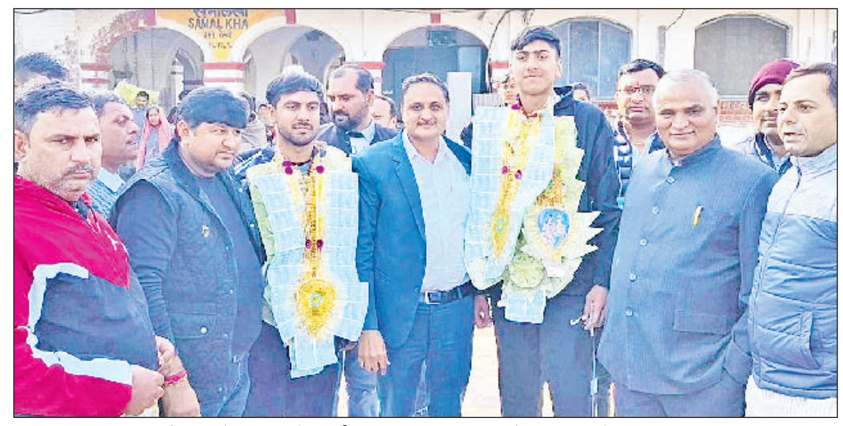

समालखा। तरुण स्वर्ण पदक के साथ व खिलाड़ी अरूण का स्वागत करते प्रमुख नागरिक। फोटो: हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ⏭ समालखा

गांव जौरासी के होनहार खिलाड़ी अरुण ने नेशनल ड्रैगन बोट रेस में हरियाणा की टीम की ओर से खेलते हुए अपनी टीम को गोल्ड मेडल जीता कर गांव और प्रदेश का नाम रोशन किया है। प्रतियोगिता भोपाल में हुई थी। खिलाड़ी अरुण ने बताया कि टूर्नामेंट में देशभर से 18 राज्यों की टीमों ने हिस्सा लिया था। जिसमें हरियाणा की टीम से 24 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था। 2 किलोमीटर ड्रैगन बोट चैंपियनशिप में कोच बिजेंदर आहुलाना के नेतृत्व में हरियाणा की टीम ने फाइनल में कर्नाटक और मध्य प्रदेश की टीम को हराते हुए गोल्ड मेडल अपने नाम किया। वहीं खिलाड़ी का समालखा रेलवे स्टेशन पहुंचने पर जोरदार स्वागत किया गया। इस अवसर आल इंडिया ब्राह्मण महासभा राष्ट्रीय अध्यक्ष हरी प्रकाश शर्मा, जिला प्रधान त्रिलोक शर्मा, अशोक शर्मा, देवेंद्र आर्य, हरिओम शर्मा, सत्यनारायण शर्मा, अनिल शर्मा, जीतेन्द्र शर्मा, रामशरण शर्मा, जयदेव शर्मा, मनीष शर्मा, सुशील जिंदल, निरंज गोयल आदि मौजूद रहे।

तरुण ने जूनियर नेशनल फेंसिंग में स्वर्ण पदक जीता

समालखा। पानीपत इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में बीटेक सीएसई के छात्र तरुण कुमार ने 33वीं जूनियर नेशनल फेंसिंग प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता है। यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता कटक ओडिशा में हुई। तरुण कुमार ने तकनीकी कौशल और अनुशासन का प्रदर्शन करते हुए तलवारबाजी में स्वर्ण पदक अपने नाम किया। पाइट के वाइस चेयरमैन राकेश तायल ने कहा कि तरुण की सफलता अन्य छात्रों के लिए प्रेरणास्रोत है। चेयरमैन हरिओम तायल, निदेशक डॉ.शक्ति कुमार, खेल अधिकारी डॉ.बजरंग राणा ने कहा कि कॉलेज में तरुण को सम्मानित किया जाएगा।

कबड्डी खिलाड़ी हिमांशी के गांव में जश्न का माहौल

पानीपत। कोलकाता में आयोजित 51वीं नेशनल जूनियर महिला कबड्डी चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर टीम ने राज्य का नाम रोशन किया। पानीपत जिले के नौल्था गांव की हिमांशी जागलान ने अपने शानदार प्रदर्शन से हरियाणा की टीम को यह जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। इस प्रतियोगिता में देशभर से लगभग 30 टीमों ने भाग लिया था। बराबरी के बाद निर्णायक मंडल ने मुकाबला डी.पॉइंट पर कराया, लेकिन वहां भी स्कोर बराबर रहा। इसके बाद टॉस का सहारा लिया गया जो हरियाणा के पक्ष में गया। हरियाणा को पहली रेड का मौका मिला। जिसमें हिमांशी जागलान ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एक अंक हासिल किया और टीम को स्वर्ण पदक दिलाया। यह हिमांशी का पहला स्वर्ण पदक नहीं है। इससे पहले उन्होंने 2023 में झारखंड में हुई सब जूनियर नेशनल कबड्डी चैंपियनशिप और 2024 में भिवानी में हुई अंडर.19 नेशनल स्कूली कबड्डी प्रतियोगिता में भी स्वर्ण पदक जीते हैं। हिमांशी गीता भारती स्कूलए इसराना में 12वीं कक्षा की छात्रा हैं। हिमांशी की इस उपलब्धि पर गांव नौल्था में खुशी का माहौल है। ग्रामीणों और परिजनों ने मिठाइयां बांटकर जश्न मनाया। हिमांशी ने कहा कि उनका अगला लक्ष्य तमिलनाडु में होने वाली आगामी राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भी स्वर्ण पदक जीतना है।

पानीपत। विधायक मनमोहन भडाना के साथ नवनियुक्त चेयरमैन राजेंद्र रावल, कर्ण सिंह पसीना व अन्य। फोटो: हरिभूमि

विधायक मनमोहन भड़ाना रहे मौजूद

नवनियुक्त चेयरमैन और वाइस चेयरमैन ने शपथ ली

हरिभूमि न्यूज ⏭ पानीपत

बापौली की अनाज मंडी परिसर में आज मार्किट कमेटी बापौली के नवनियुक्त कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समारोह में चेयरमैन राजेंद्र रावल छाजपुर व वाइस चेयरमैन पवन कुमार ने शपथ ली। वहीं नवनियुक्त चेयरमैन राजेंद्र रावल छाजपुर का जन्मदिन भी स्टेज पर केक काटकर मनाया गया। मुख्य अतिथि के रूप में समालखा के विधायक मनमोहन भड़ाना समेत कई अधिकारी और जनप्रतिनिधि मंच पर मौजूद रहे। विधायक मनमोहन भड़ाना ने कहा कि भाजपा सरकार लगातार किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में कार्य कर रही है। इन योजनाओं के जरिए किसानों की आमदनी दोगुनी करने की दिशा में महत्वपूर्ण परिणाम सामने आ रहे हैं। विधायक मनमोहन बढ़ाना ने कहा कि भाजपा की सरकार में बेदाग व ईमानदार व्यक्ति को ही उच्च पद से नवाज किया जाता है विधायक ने कहा कि हलके के हर गांव में बिना किसी भेदभाव के विकास कार्यों को गति दी जा रही है विकास कार्यों में रोड़ा अटकाने वाले किसी भी भ्रष्ट व कामचोर अधिकारी व कर्मचारी को नहीं बख्शा जाएगा। विधायक ने नवगठित कार्यकारिणी के चेयरमैन राजेंद्र रावल छाजपुर व अन्य सदस्यों को बधाई देते हुए कहा कि आप सभी को सरकार ने बापौली मार्केट कमेटी की जिम्मेवारी दी है।

ये मौजूद रहे

इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष दुष्यंत भट्ट, मेयर कोमल सैनी, पानीपत मार्केट कमेटी के चेयरमैन अवतार सिंह शास्त्री, गुर्जर सभा के प्रधान जोगिंद्र रावल, एल एंड सी फेडरेशन के चेयरमैन कर्ण सिंह पसीना, पूर्व सरपंच रतन सिंह रावल, प्रधान प्रीतम रावल, राजकुमार छौक्कर, भाजपा किसान मोर्चा प्रभारी जगबीर आर्य, संजय त्यागी सरपंच सनौली खुर्द, मंडल अध्यक्ष सुमित जलमाना, रोशन छौक्कर, किसान नेता चूहड सिंह रावल, गन्नौर मार्केट कमेटी चेयरमैन निशान छौक्कर आदि मौजूद रहे।

शिविर में 61 यूनिट रक्त एकत्रित

- रक्तदान के महत्व को समझे और लागों को करें प्रेरित : डॉ.जगदीश

हरिभूमि न्यूज ⏭ पानीपत

पानीपत। स्व .राकेश मित्तल के चित्र पर पुष्प अर्पित करते प्राचार्य डा.जगदीश गुप्ता, अशोक कैलाशी व अन्य । फोटो: हरिभूमि

आर्य पीजी कॉलेज की एनएसएस यूथ रेड क्रॉस व रेड क्रॉस ब्लड सेंटर, श्री कैलाशी सेवा समिति फाउण्डेशन और अग्रवाल युवा क्लब के संयुक्त तत्वावधान में आज अपना पक्ष के पूर्व संपादक रहे स्व.राकेश मित्तल की स्मृति में रक्तदान शिविर के साथ-साथ हृदय एवं पेट संबंधी रोगों के निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। वहीं स्व.राकेश मित्तल की स्मृति में पौधरोपण भी किया गया। रक्तदान शिविर में आर्य कॉलेज के विद्यार्थियों के साथ-साथ शहर व गांव से आए व्यक्तियों ने भाग लिया और रक्तदान किया। शिविर में 61 यूनिट रक्त एकत्रित हुआ। मुख्य अतिथि रहे आर्य पीजी कॉलेज के प्राचार्य प्रो.डॉ.जगदीश गुप्ता, अपना पक्ष पत्रिका की तरफ से आए सम्मानित सदस्यों व स्वर्गीय राकेश मित्तल के परिवारजनों ने स्व. राकेश मित्तल को श्रदांजलि दी।

मौके पर ये मौजूद रहे

इस अवसर पर रैड क्रॉस से डॉ.पूजा सिंघल, डॉ. विजय सिंह, डॉ.मनीषा डुडेजा, डॉ.पंकज चौधरी, कॉलेज की एनएसएस इकाई की प्रभारी डॉ.मनीषा डुडेजा, युवा अग्रवाल क्लब से अखिलेश मित्तल, श्री कैलाशी सेवा समिति फॉण्डेशन से अशोक पंच कैलाशी, विनीत गर्ग, आशीष गुप्ता, प्रो.सोनू ढुल, राजा तोमर आदि मौजूद रहे।

किसान सभा 26 को निकालेगी ट्रैक्टर परेड

पानीपत। अखिल भारतीय किसान सभा जिला कमेटी की बैठक का.शिव वर्मा स्मारक भवन में हुई। बैठक की अध्यक्षता जिला प्रधान डॉ.सुरेंद्र मलिक ने की। संचालन जिला सचिव राजपाल गाहल्याण ने किया। बैठक में भविष्य के आंदोलन के संबंध निर्णय लिए गए। संयुक्त किसान मोर्चा, केंद्रीय ट्रेड यूनियन और कर्मचारी संगठनों के आह्वान पर 26 जनवरी गणतंत्र दिवस पर राष्ट्रीय झंडों के साथ ट्रैक्टर परेड और मोटरसाइकिल परेड जुलूस निकाला जाएगा। किसान सभा के जिला कोषाध्यक्ष कंवर सिंह छोकर, विष्णु शर्मा, दिलावर सिंह राठी, एसए खान, सीताराम शर्मा, रणधीर सिंह, मंगल सिंह, रामकिशन कुंडू, शीशपाल शर्मा व जयपाल नंबरदार आदि उपस्थित रहे।

मनरेगा केवल एक योजना नहीं गरीब, मजदूर व ग्रामीण परिवारों की रोजी-रोटी का है आधार

हरिभूमि न्यूज ⏭ पानीपत

पानीपत। पत्रकारों से बातचीत करते कांग्रेस नेता। फोटो: हरिभूमि

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर मनरेगा बचाओ संघर्ष अभियान के अंतर्गत आज लाल बत्ती स्थित कांग्रेस भवन में प्रेस कांफ्रेंस की गई। जिसमें मनरेगा बचाओ संघर्ष अभियान के पानीपत प्रभारी सुरेश गुप्ता मौजूद रहे। इस दौरान केंद्र सरकार द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम ;मनरेगाद्ध को कमजोर करने और उसके नाम से राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी का नाम हटाने के प्रयासों की कड़ी आलोचना की गई। जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण के अध्यक्ष रमेश मलिक ने कहा कि मनरेगा केवल एक योजना नहीं, बल्कि करोड़ों गरीब, मजदूर और ग्रामीण परिवारों की रोजी-रोटी का आधार है। शहरी जिला अध्यक्ष सरदार बलजीत सिंह ने कहा कि मनरेगा के साथ किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ गरीबों के अधिकारों और संविधान की भावना पर सीधा हमला है।

मौके पर ये मौजूद रहे

इस अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता वरिंदर बुल्ले शाह, सचिन कुंडू, दिव्यांशु बुद्धिराजा, पूर्व विधायक बलबीर वाल्मीकि, बलवान वाल्मीकि, सतपाल वाल्मीकि, खुशी राम जागलान, संजय गर्ग, सुभाष बठला, राम सिंह सरपंच, सुभाष तंवर सुताना, मोहक्कम छौक्कर एडवोकेट, सुभाष गिल, रूबल संधू व पुनीत आदि कांग्रेस नेता एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

धुंध के दौरान वाहन चलाते समय बरतें विशेष सावधानी

हरिभूमि न्यूज ⏭ पानीपत

पानीपत। वाहनों पर रिफ्लेक्टर टेप लगाते पुलिस टीम । फोटो: हरिभूमि

जिला यातायात पुलिस धुंध में होने वाली सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए पर्यासरत है। इसी कड़ी में यातायात थाना प्रभारी सब इंस्पेक्टर अनिल की टीम ने आज जीटी रोड टोल प्लाजा पर 50 से अधिक वाहनों पर रिफ्लेक्टर टेप लगाकर वाहन चालकों को जागरूक किया। सब इंस्पेक्टर अनिल ने वाहन चालकों को जागरूक करते हुए कहा कि धुंध में रिफ्लेक्टिव टेप बहुत ही कारगर साबित होती है। उन्होंने कहा कि धुंध के दौरान वाहनों के बीच उचित दूरी, इंडिकेटर ऑन, लो.बीम हेड लाइट का इस्तेमाल करें, विजिबिलिटी बेहद खराब होने की स्थिति में सड़क पर पेंट की गई लाइन को गाइड के रूप में उपयोग करें, वाहनों के शीशे थोड़ा नीचे रखें।

अपराधियों का करना पड़ेगा सही इलाज

- पीड़ित परिवार से मिले विधायक मनमोहन भड़ाना

हरिभूमि न्यूज ⏭ समालखा

समालखा। पीड़ित परिवार से मुलाकात करते विधायक मन मोहन भड़ाना।

शहर की गुड़मंडी में बीते मंगलवार कों राजेन्द्र गाजरपाक वाले की दुकान पर देर रात बदमाशों ने फायरिंग करके एक करोड़ की रंगदारी मांगने के मामले में पुलिस को अपराधियों के पुख्ता सबूत हाथ लगे हैं। वहीं पुलिस ने जल्द बदमाशों को गिरफ्तार करने का दावा किया है। इसी बीच हल्का विधायक मनमोहन भड़ाना ने आज पीड़ित के आवास पर पहुंचकर पीड़ितों से मिल ताजा स्थिति का जायजा लेते हुए परिवार को निष्पक्ष कार्यवाही का आश्वासन दिया। विधायक मनमोहन भड़ाना ने बताया कि अपराधियों पर सख्त कार्यवाही की जाएगी। किसी भी सूरत में अपराधियों कों बख्शा नहीं जाएगा। कार्यवाही ऐसी सख्त होगी की दूसरों के लिए सबक बनेगा। अपराधियों कों प्रदेश में नहीं पनपे दिया जाएगा। यह हमारी भाजपा सरकार का संकल्प है। वहीं उन्होंने मीडिया के माध्यम से पुलिस अधिकारियों को कहा कि ऐसे मामले भविष्य में न हों उस पर कार्य करें।

फर्जी दस्तावेज से ट्यूबवेल कनेक्शन ट्रांसफर कराने का आरोपी गिरफ्तार

- आरोपी की पहचान बुडशाम गांव निवासी राममेहर के रूप में हुई

हरिभूमि न्यूज ⏭ इसराना

थाना इसराना पुलिस ने फर्जी दस्तावेज से ट्यूबवेल कनेक्शन ट्रांसफर कराने के आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान बुडशाम गांव निवासी राममेहर के रूप में हुई है। थाना इसराना प्रभारी सब इंस्पेक्टर महीपाल ने बताया कि युएचबीवीएन इसराना सब डिविजन में तैनात एसडीओ ने थाना इसराना में दी शिकायत में बुडशाम निवासी रामेहर पुत्र बलवंत पर अपने पिता के नाम का ट्यूबवेल कनेक्शन फर्जी दस्तावेज देकर अपने नाम कराने का आरोप लगाया था। जबकि बलवंत के दूसरे बेटे द्वारा शिकायत दर्ज कराने उपरांत फर्जी समझौते के दस्तावेज देकर शिकायत बंद करवा दी। रामेहर ने बिजली विभाग के साथ धोखधड़ी की है। जांच के बाद पुलिस ने शुक्रवार को आरोपी रामेहर को गिरफ्तार कर पूछताछ के बाद न्यायालय में पेश किया। जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

इसराना। बाली पहलवान के निवास पर शोक जताते दुष्यंत चौटाला व अन्य।

दुष्यंत चौटाला ने जताया बाली पहलवान के निधन पर शोक

इसराना। जजपा नेता एवं प्रदेश के पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने बुआना लाखू गांव पहुंचकर देवेन्द्र मलिक उर्फ बाली पहलवान के परिवार से मिलकर शोक व्यक्त किया। उन्होंने परिवार का हौसला बढ़ाया और सांत्वना दी। गौरतलब है कि बाली पहलवान की यमुनानगर के पश्चिम यमुना नहर में एक जनवरी को डूबने से मौत हो गई थी। इस मौके पर उनके साथ जजपा जिलाध्यक्ष रामनिवास पटवारी, कप्तान जागलाण, सुरेंद्र धौला, राजवीर मलिक, समाजसेवी मनजीत मलिक, ओमपाल मलिक व जजपा प्रदेश युवा कार्यकारिणी सदस्य मनजीत मलिक व संदीप जागलान भी साथ रहे।

फुल स्टॉप और फुल स्टॉक जीवन में बहुत जरूरी : बीके भारत भूषण

नियमित योग अभ्यास से मन की एकाग्रता बढ़ती है और जीवन में स्थिरता आती है

ज्ञान मानसरोवर में युवाओं के लिए योग तपस्या कार्यक्रम का आयोजन

- कार्यक्रम देशभर से लगभग 100 युवाओं ने भाग लिया
- युवाओं को आत्मचिंतन, अनुशासन और सकारात्मक जीवन मूल्यों को अपनाने की प्रेरणा मिली

हरिभूमि न्यूज ⏭ पानीपत

पानीपत। दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ करते अतिथिगण।

थिराना स्थित ब्रह्मा कुमारीज के ज्ञान मानसरोवर परिसर में युवाओं के लिए विशेष योग तपस्या कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम ब्रह्मा कुमारीज यूथ विंग की ओर से आयोजित था। जिसमें देशभर से लगभग 100 युवाओं ने भाग लिया। मुख्य विषय फुल स्टॉप और फुल स्टॉक रहा। ब्रह्मकुमारी कृति मुख्य अतिथि रही। उन्होंने कहा कि आज का युवा अगर अपने विचारों और ऊर्जा को सही दिशा दे दे, तो वह न केवल स्वयं का बल्कि समाज और राष्ट्र का भी कल्याण कर सकता है। मुख्य वक्ता राजयोगी भारत भूषण ने राजयोग के व्यावहारिक पक्ष पर प्रकाश डालते हुए बताया कि नियमित योग अभ्यास से मन की एकाग्रता बढ़ती है और जीवन में स्थिरता आती है। उन्होंने फुल स्टॉप को मन की अशांति का समाधान और फुल स्टॉक को आत्मिक सशक्तिकरण का साधन बताया।

युवाओं का उत्साह बढ़ाया

वहीं समालखा से आई जाहनवी जो वंडर गर्ल के रूप में प्रसिद्ध हैं ने भी अपनी उपस्थिति से युवाओं का उत्साह बढ़ाया। इस योग तपस्या कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं को आत्मचिंतन, अनुशासन और सकारात्मक जीवन मूल्यों को अपनाने की प्रेरणा मिली। कार्यक्रम का संचालन बीके जीतू माउंट आबू ने किया।

न्यायालय तहसीलदार-कम-सब-रजिस्ट्रार पानीपत

श्री पंकज नागपाल पुत्र लेट श्री लुडीन्द चन्द निवासी Ramrajatala Station Road, Haora, Santragachi, Howrah, West Bengal हालअबाद मकान नम्बर 45, गुरुतेग बहादुर कालोनी, तहसील व जिला पानीपत।

बनाम

जनरल पब्लिक

इस इश्तहार के माध्यम से हर आम व खास को सूचित किया जाता है कि पंकज नागपाल पुत्र लेट श्री लुडीन्द चन्द निवासी Ramrajatala Station Road, Haora, Santragachi, Howrah, West Bengal हालअबाद मकान नम्बर 45, गुरुतेग बहादुर कालोनी, तहसील व जिला पानीपत ने दस्तावेज पंजीकृत हेतू इस कार्यालय में पेश किया है। जिसमें स्पष्ट रूप से बताया गया है कि मेरे पिता जी लेट श्री लुडीन्द चन्द पुत्र श्री जेसा राम की मृत्यु दिनांक 01/01/2026 को हो चुकी है. व मेरी दादी जी श्रीमति राम देवी की मृत्यु भी काफी अरसे पहले हो चुकी है। यह कि लेट श्री लुडीन्द चन्द पुत्र श्री जेसा राम की मृत्यु बाद उनके निम्न उतराधिकारी / वारस है: 1-दया नागपाल विधवा 2-मनोज नागपाल पुत्र 3-पंकज नागपाल पुत्र कुल 3 वारिस हैं। उपरोक्त वारसान के अन्य कोई वारिस व हकदार नहीं है व वारसान की तसदीक द्वारा तरूण गोंधी नगर निगम पार्षद वार्ड नम्बर 20 पानीपत व सुभाष पटवारी हल्का पानीपत द्वारा दिनांक 07/01/2026 द्वारा भी अपनी रिपोर्ट में इन्ही वारसन की तसदीक की गई है। इनके इलावा अन्य कोई वारिस / उत्तराधिकारी नहीं है। जिसके सम्बंध में माध्यम से सुचित किया जाता है कि उपरोक्त मृतक के बताये गये वारिस / उत्तराधिकारी के बाबत कोई शक एंव एतराज हो तो वह स्वयं / अधिवक्ता के माध्यम से इस नोटिस के प्रकाशन के उपरान्त 15 दिन के अन्दर-अन्दर इस कार्यालय में कार्यदिवस के दिन अपनी आपत्ति पेश कर सकता है। अन्यथा उपरोक्त तथ्यो के आधार पर दस्तावेज का पंजीकरण कर दिया जायेगा। यह नोटिस बाबत इश्तहार आज दिनांक 07/01/2026 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मोहर द्वारा जारी किया गया।

तहसीलदार-कम-सब-रजिस्ट्रार, पानीपत

शिक्षा समाज की प्रगति की रीढ़

तेलू राम मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा सैनी धर्मशाला में स्थापित पुस्तकालय बदल रहा युवाओं की सोच

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारायणगढ़

शिक्षा किसी भी समाज की प्रगति की रीढ़ होती है। जब शिक्षा के लिए निस्वार्थ भाव से प्रयास किए जाते हैं तो उनका प्रभाव केवल वर्तमान तक सीमित नहीं रहता बल्कि आने वाली पीढ़ियों को भी दिशा देता है। यहां के तेलू राम मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा सैनी धर्मशाला में स्थापित पुस्तकालय इसी सोच का सशक्त और प्रेरणादायक उदाहरण बनकर उभरा है। यह पुस्तकालय न केवल पुस्तकों का संग्रह है, बल्कि क्षेत्र के युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत आधारशिला भी सिद्ध हो रहा है। पुस्तकालय की स्थापना का उद्देश्य ऐसे युवाओं को एक सशक्त मंच उपलब्ध कराना है जो सीमित संसाधनों के बावजूद बड़े सपने देखते हैं। विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर अपने जीवन को नई दिशा देना चाहते हैं।

शिक्षा से ही विकास संभव

इस पुस्तकालय का विधिवत उद्घाटन 14 नवंबर 2025 को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की धर्मपत्नी एवं हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद की उपाध्यक्ष सुमन सैनी द्वारा किया गया था। उद्घाटन अवसर पर उन्होंने कहा था कि ज्ञान ही व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाता है और शिक्षा के माध्यम से ही सशक्त समाज और सशक्त राष्ट्र का निर्माण संभव है। उन्होंने पुस्तकालय को समाज के लिए एक बहुमूल्य धरोहर बताया। उद्घाटन के पश्चात से ही पुस्तकालय में आसपास के गांवों के युवाओं की नियमित उपस्थिति यह प्रमाणित करती है कि यह पहल समय और आवश्यकता के अनुरूप है।

पुस्तकालय पूरी तरह निःशुल्क

पुस्तकालय के इंचार्ज मास्टर बलजीत सैनी ने बताया कि यह पुस्तकालय पूरी तरह निःशुल्क है। किसी भी वर्ग का युवा यहां आकर अध्ययन कर सकता है। पुस्तकालय प्रतिदिन सुबह 9 बजे खुलता है। युवाओं की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए शाम तक संचालित रहता है। उन्होंने बताया कि यहां प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित पुस्तकों, समाचार पत्रों और अन्य अध्ययन सामग्री की पर्याप्त व्यवस्था है। शीघ्र ही कंप्यूटर और इंटरनेट की सुविधा भी उपलब्ध करवाई जाएगी। सैनी ने कहा कि यह पुस्तकालय केवल पढ़ाई का स्थान नहीं बल्कि युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास और लक्ष्य के प्रति समर्पण विकसित करने का केंद्र है। युवाओं के सपनों को मिल रहा मजबूत सहारा गांव उपलाना निवासी मनदीप कुमार, जो पुलिस भर्ती की तैयारी कर रहे हैं, ने बताया कि पुस्तकालय का शांत वातावरण और उपलब्ध संसाधन उनकी पढ़ाई के लिए बेहद सहायक हैं। उन्होंने कहा कि घर पर पढ़ाई के दौरान एकाग्रता नहीं बन पाती लेकिन यहां आकर पढ़ाई करने से मन पूरी तरह अध्ययन में लग जाता है।

छात्र अध्यन कर संवार रहे भविष्य

गांव धनौरा के अरविंद पीएचडी की तैयारी कर रहे हैं। उसने कहा कि यह पुस्तकालय ग्रामीण युवाओं के लिए एक वरदान है। उन्होंने बताया कि यहां पढ़ाई का अनुशासित माहौल उन्हें अपने लक्ष्य के प्रति और अधिक केंद्रित करता है। गांव अंधेरी के हर्ष बीटेक की तैयारी कर रहे हैं। उसने कहा कि इस पुस्तकालय ने उनके समय का सही उपयोग करना सिखाया है। पहले खाली समय व्यर्थ चला जाता था लेकिन अब वह नियमित अध्ययन कर अपने भविष्य को संवार रहे हैं। 12वीं कक्षा की छात्रा यशस्वी ने बताया कि पुस्तकालय में आकर पढने से उनकी पढ़ाई की गुणवत्ता में सुधार हुआ है। उन्होंने कहा कि शांत वातावरण और प्रेरणादायक माहौल उन्हें आगे बढने की प्रेरणा देता है। नंबरदार सुरेश पाल ने कहा कि स्वर्गीय तेलू राम के नाम पर स्थापित यह पुस्तकालय समाजहित में किया गया एक अनुकरणीय कार्य है। उन्होंने कहा कि शिक्षा के माध्यम से ही समाज को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाया जा सकता है। गांव लखनौरा के एडवोकेट राजवीर ने कहा कि यह पुस्तकालय ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं के लिए अवसरों के नए द्वार खोल रहा है। तेलू राम मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा स्थापित यह पुस्तकालय स्वर्गीय तेलू राम जी की स्मृति को समर्पित है।

खबर संक्षेप

भगोड़े को गिरफ्तार कर जेल भेजा

बराड़ा। थाना मुलाना में धारा 148, 149, 323, 341 व 506 आईपीसी के तहत दर्ज केस में वांछित एवं घोषित अपराधी (पीओ.) आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। आरोपी राजेंद्र कुमार उर्फ सोनू वासी गांव गोला को अदालत द्वारा भगोड़ा घोषित किया गया था। पुलिस द्वारा आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से न्यायालय ने आरोपी को सेंट्रल जेल भेजने के आदेश दिए।

देशी पिस्तौल समेत आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। थाना अंबाला छावनी में दर्ज अवैध हथियार रखने के मामले में सीआईए-1 ने आरोपी शुभम को गिरफ्तार किया है। सीआईए-1 के प्रभारी निरीक्षक हरजिंद्र सिंह ने बताया कि पुलिस को सूचना प्राप्त हुई थी कि आरोपी के पास अवैध हथियार है जो किसी भी अप्रिय घटना को अंजाम दे सकता है। आरोपी सुभाष चंद्र चौक से पैदल हाथी खाना मंदिर की तरफ पैदल आएगा। सूचना उपरान्त सीआईए-1 ने नाकाबंदी कर आरोपी को काबू किया। विधिपूर्वक तलाशी लेने पर उससे देशी पिस्तौल व जिंदा रौंद बरामद किया था। आरोपी की पहचान नितिन उर्फ पोला के रूप में हुई थी।

फोन छीनने का प्रयास करने वाला युवक पकड़ा

अंबाला। थाना अंबाला छावनी में दर्ज मोबाइल फोन छीनने का प्रयास करने के मामले में पुलिस ने तुरंत संलिप्त आरोपी विकास उर्फ अंकित को गिरफ्तार किया है। आरोपी को एक दिन के रिमांड पर लिया है। पीड़ति महिला ने 9 जनवरी 2026 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि स्वास्तिक चौक से साइकिल पर गुजर रही थी पीछे से बाइक सवार आरोपी ने उसका मोबाइल फोन छीनने का प्रयास किया जिसको राहगीरों की मदद से मौके पर काबू कर लिया गया।

धोखाधड़ी करने के मामले में काबू

अंबाला। थाना साहा पुलिस ने विदेश भेजने की धोखाधड़ी करने के मामले में आरोपी वरूण को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपी को 2 दिन के रिमांड पर लिया है। आरोपी के खिलाफ पहले भी मामले दर्ज हैं। परिवादी राज सिंह ने 15 अगस्त 2025 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि गांव हरड़ा में 14 दिसंबर 2022 से 5 जनवरी 2023 के दौरान आरोपी वरूण व अन्य ने उसके भतीजे को विदेश भेजने के मामले में उससे एक बड़ी रकम धोखाधड़ी से हड़पने का आपराधिक कार्य किया है। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर कार्यवाही करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया।

धोखाधड़ी में एक अन्य आरोपी काबू

अंबाला। थाना पड़ाव पुलिस ने विदेश भेजने की धोखाधड़ी करने के मामले में एक अन्य आरोपी हरिंद्र सिंह को गिरफ्तार किया है। महिला ने 16 मई 2023 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि 20 सितंबर 2021 से 27 अक्तूबर 2021 के दौरान आरोपी हरिंद्र सिंह व अन्य ने विदेश भेजने के मामले में उससे एक बड़ी रकम हड़पने की धोखाधड़ी की है। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था।

39 स्कूलों को बधाई तो 26 स्कूलों के मुखियाओं का परीक्षाओं का रिजल्ट खराब

जिला शिक्षा अधिकारी ने की बोर्ड परीक्षा परिणामों की समीक्षा, 39 विद्यालय 14 को होंगे सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

जिला शिक्षा अधिकारी सुधीर कालड़ा द्वारा शैक्षणिक सत्र 2024–25 की बोर्ड कक्षाओं 10वीं एवं 12वीं की वार्षिक परीक्षाओं के परिणामों की खंड शिक्षा अधिकारियों के माध्यम से प्राप्त रिपोर्ट के आधार पर गहन समीक्षा की गई। समीक्षा के उपरांत यह तथ्य सामने आया कि जिले के अनेक राजकीय विद्यालयों ने अत्यंत उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम अर्जित किए हैं। जो गर्व का विषय है। 39 विद्यालयों ने तो शत प्रतिशत परिणाम दिया। हालांकि समीक्षा के दौरान यह भी पाया गया कि कुछ राजकीय विद्यालयों का परीक्षा परिणाम अपेक्षित शैक्षणिक मानकों के अनुरूप संतोषजनक नहीं रहा। 26 विद्यालय ऐसे रहे जिनका परिणाम 75 प्रतिशत से कम रहा। मार्च 2026 में होने वाली परीक्षा में इन विद्यालयों के परिणाम में भी सुधार हो इस संबंध में शिक्षा विभाग द्वारा आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। जिला शिक्षा अधिकारी सुधीर कालड़ा ने स्पष्ट किया कि विद्यार्थियों की शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार शिक्षा विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि जिला शिक्षा विभाग सभी विद्यालय प्रमुखों, शिक्षकों एवं अभिभावकों से यह अपेक्षा करता है कि वे आपसी समन्वय, निष्ठा एवं पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य करते हुए विद्यार्थियों के शैक्षणिक स्तर को और अधिक सुदृढ़ बनाने में सक्रिय भूमिका निभाएं। साथ ही उन्होंने चेतावनी भी दी कि यदि भविष्य में किसी विद्यालय के शैक्षणिक परिणामों में अपेक्षित सुधार नहीं पाया गया, तो विभाग द्वारा नियमानुसार आवश्यक प्रशासनिक कार्रवाई पर भी विचार किया जा सकता है।

डीईओ सुधीर कालड़ा।

उत्कृष्ट परिणाम देने वाले विद्यालय

कक्षा 10वीं

1. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, शाहपुर, अंबाला-1
2. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, जनसुई, अंबाला-1
3. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सौंटा, अंबाला-1
4. राजकीय उच्च विद्यालय, उदयपुर, अंबाला-1
5. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, घेल, अंबाला-2
6. राजकीय उच्च विद्यालय, अंबाला छावनी (सब्जी मंडी), अंबाला-2
7. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, करधान, अंबाला-2
8. राजकीय उच्च विद्यालय, सल्लाहरी अंबाला-2
9. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, अधोया, बराड़ा
10. राजकीय उच्च विद्यालय, बिंजलपुर, बराड़ा
11. राजकीय उच्च विद्यालय, कसेरला खुर्द, बराड़ा
12. राजकीय उच्च विद्यालय, सोहाता, बराड़ा
13. राजकीय उच्च विद्यालय, शेरपुर सुलखनी, बराड़ा
14. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, बधौली, नारायणगढ़
15. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, भुरेवाला, नारायणगढ़
16. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, बड़ागांव, नारायणगढ़
17. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, भरेरी कलां, नारायणगढ़
18. राजकीय उच्च विद्यालय, हमीदपुर, नारायणगढ़
19. राजकीय उच्च विद्यालय, नन्हेड़ा, नारायणगढ़
20. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, गोकलगढ़, साहा
21. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, पसियाला, साहा
22. राजकीय कन्या उच्च विद्यालय, साहा
23. राजकीय उच्च विद्यालय, ठाकुरपुर, साहा
24. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, तल्हेरी गुर्जरां, साहा
25. राजकीय उच्च विद्यालय, खानपुर, साहा
26. राजकीय उच्च विद्यालय, गणेशपुर, शहजादपुर
27. राजकीय उच्च विद्यालय, बनौंदी, शहजादपुर

कक्षा 12वीं

1. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, शाहपुर, अंबाला-1
2. राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, अंबाला शहर (बलदेव नगर), अंबाला-1
3. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, कलेरां, अंबाला-1
4. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, करधान, अंबाला-2
5. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, जफ्फरपुर, बराड़ा
6. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सरदेहरी, बराड़ा
7. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, कुराली, नारायणगढ़
8. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, नगला राजपूताना, नारायणगढ़
9. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, संबालखा, साहा
10. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, कालपी, साहा
11. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, जटवार, शहजादपुर
12. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, फतेहगढ़, शहजादपुर

असंतोषजनक परिणाम देने वाले स्कूल

कक्षा 10वीं

1. राजकीय उच्च विद्यालय अंबाला शहर (नं.7), अंबाला-1 — (गणित)
2. राजकीय उच्च विद्यालय नूरपुर-कोंकपुर, अंबाला-1 — (अंग्रेजी, एसओएस)
3. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नग्गल, अंबाला-1 — (अंग्रेजी)
4. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय इस्माइलपुर, अंबाला-1 — (गणित)
5. राजकीय उच्च विद्यालय दानीपुर, अंबाला-1 — (गणित)
6. राजकीय उच्च विद्यालय कलरेहरी, अंबाला-2 — (अंग्रेजी)
7. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय अम्बाला कैंट (मुख्य शाखा), अंबाला-2 — (गणित)
8. राजकीय उच्च विद्यालय मानकपुर, अंबाला-2 — (अंग्रेजी, गणित)
9. राजकीय कन्या उच्च विद्यालय बराड़ा— (गणित)
10. राजकीय उच्च विद्यालय डूलियानी, बराड़ा — (अंग्रेजी)
11. राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बराड़ा — (गणित, विज्ञान)
12. राजकीय कन्या उच्च विद्यालय मुलाना, बराड़ा — (गणित)
13. राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय समलेहड़ी, साहा — (हिंदी, गणित, विज्ञान)
14. राजकीय उच्च विद्यालय लंडा, साहा — (हिंदी, अंग्रेजी, गणित)
15. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बड़ोग, शहजादपुर — (अंग्रेजी)

कक्षा 10वीं

1. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय अम्बाला कैंट (रामबाग रोड), अंबाला-2 — (अंग्रेजी)
2. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय तंदवाल, बराड़ा — (गणित)
3. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय डूलियाना, बराड़ा — (अंग्रेजी)
4. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय धनौरा, बराड़ा — (अंग्रेजी)
5. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय धीन, बराड़ा — (अंग्रेजी)
6. राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बराड़ा — (भौतिकी विज्ञान, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, गणित, एकाउंटेंसी)
7. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय अलीपुर, बराड़ा— (अंग्रेजी)
8. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय डेरा, नारायणगढ़ — (अंग्रेजी)
9. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नारायणगढ़ — (गणित, राजनीति विज्ञान)
10. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पिलखनी, साहा — (अंग्रेजी)
11. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कक्कर माजरा, शहजादपुर — (अंग्रेजी)

उत्कृष्ट परिणामों पर सम्मान, कमजोर परिणामों पर असंतोष पत्र जारी

उत्कृष्ट शत-प्रतिशत परीक्षा परिणाम प्राप्त करने वाले कुल 39 राजकीय विद्यालयों, उनके प्रधानाचार्यों एवं शिक्षकों को जिला शिक्षा अधिकारी की ओर से बाकायदा एक पत्र के माध्यम से हार्दिक बधाई दी गई है। इन विद्यालयों के मुखियों को 14 जनवरी को प्रशंसा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित भी किया जाएगा। इसके लिए इन विद्यालय प्रमुखों को इस प्रशंसनीय उपलब्धि के उपलक्ष्य में 14 जनवरी 2026 को दोपहर 1:00 बजे जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में आयोजित अभिनंदन कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया है। यह उपलब्धि अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणादायी सिद्ध होगी। जिन राजकीय विद्यालयों का परीक्षा परिणाम संतोषजनक नहीं पाया गया है, उनके संबंध में संबंधित विद्यालयों एवं शिक्षकों को असंतोष पत्र जारी किया गया है, ताकि भविष्य में इन विद्यालयों में शैक्षणिक सुधार सुनिश्चित किया जा सके।

रोटरी क्लब की डिस्ट्रिक्ट गवर्नर ऑफिशियल विजिट संपन्न

शेष रोटरी वर्ष में प्रस्तावित गतिविधियों की समीक्षा की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

अंबाला शहर स्थित रोटरी भवन में 7 जनवरी को रोटरी क्लब अंबाला शहर की डिस्ट्रिक्ट गवर्नर ऑफिशियल विजिट संपन्न हुई। इस अवसर पर रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3080 के वर्तमान डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रोटेरियन रवि प्रकाश ने क्लब द्वारा अब तक किए गए सामाजिक सेवा प्रोजेक्ट्स का निरीक्षण किया।

क्लब की कार्यप्रणाली की सराहना की। उन्होंने क्लब के कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए, जिन पर आने वाले समय में अमल किया जाएगा। डिस्ट्रिक्ट गवर्नर ने शेष रोटरी वर्ष में प्रस्तावित गतिविधियों की भी समीक्षा की। उनकी विजिट से क्लब के सदस्यों में विशेष उत्साह देखने को मिला। सदस्यों ने गवर्नर के विचारों को न केवल रोटरी कार्यों में बल्कि अपने दैनिक जीवन में भी अपनाने की प्रेरणा ली। इस अवसर पर क्लब के सदस्यों के परिवारजन तथा आसपास के रोटरी क्लबों के सदस्य भी उपस्थित रहे। क्लब की ओर से डिस्ट्रिक्ट गवर्नर को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। इसके पश्चात रोटरी भवन में लोहड़ी का पर्व श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में अध्यक्ष रोटेरियन राजीव अनेजा, सचिव विजय मल्होत्रा, कोषाध्यक्ष अश्विनी साहनी, एजी शैलेश देवान सहित सभी रोटेरियन परिवार सहित शामिल हुए।

अंबाला। ऑफिशियल विजिट के दौरान मौजूद क्लब के पदाधिकारी।

जीवन में हिंदी का ज्यादा करें इस्तेमाल

विश्व हिंदी दिवस पर आयोजित हुई विचार गोष्ठी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

अंबाला छावनी स्थित राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में शनिवार को 'विश्व हिंदी दिवस' के उपलक्ष्य में विचार गोष्ठी व काव्य पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के उप प्राचार्य प्रो. गुरविंदर सिंह ने किया। उन्होंने विद्यार्थियों को हिन्दी भाषा के महत्व को बताते हुए हिंदी को अपने जीवन में अधिक से अधिक प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने कहा कि हिंदी केवल एक भाषा नहीं, बल्कि एक भावना है। यह हमारी जड़ों से जुड़ी हुई है। इस अवसर पर आयोजित भाषण एवं काव्य पाठ प्रतियोगिताओं में प्रत्येक विद्यार्थी ने अपनी कल्पनाओं को शब्दों में पिरोकर हिंदी की ताकत को साबित किया।

विजेता विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। काव्य पाठ प्रतियोगिता में रीना, नवनीत और सलोनी ने प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त किया। हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. सुरेश कुमार ने मंच संचालन करते हुए हिंदी के उद्भव एवं विकास की जानकारी सांझा की। इस अवसर पर प्रो. सुनील कुमार, डॉ. मंजीत कौर, डॉ. नीलम रानी तथा अन्य उपस्थित रहे।

अंबाला। विजेता छात्रों के साथ उप प्राचार्य व अन्य शिक्षक।

दहिया माजरा में राष्ट्रीय युवा पुरस्कार से सम्मानित स्वर्गीय तरुण को दी श्रद्धांजलि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बराड़ा

सेवा ट्रस्ट यूके (भारत) द्वारा आयोजित चार दिवसीय श्रद्धांजलि सभाओं की श्रृंखला के अंतर्गत गांव दहिया माजरा में राष्ट्रीय युवा पुरस्कार से सम्मानित समाजसेवी स्वर्गीय तरुण कौशल की चौथी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व ट्रस्ट सदस्य विनोद कुमार एवं महिला सरपंच गीता ने किया। श्रद्धांजलि सभा में ग्रामीण महिलाओं एवं बालिकाओं ने दो मिनट का मौन रखकर समाज सेवा के क्षेत्र में अमूल्य योगदान देने वाले स्व. तरुण कौशल को श्रद्धा-सुमन अर्पित किए। इस अवसर पर सेवा ट्रस्ट यूके के प्रदेशाध्यक्ष पवन पराशर ने कहा कि स्व. तरुण कौशल एक कुशल शिक्षक एवं समर्पित समाजसेवी थे। उन्होंने सेवा ट्रस्ट यूके के चेयरमैन नरेश मित्तल के साथ मिलकर लगभग 20 वर्ष पूर्व 'लोहड़ी पर्व कन्याओं के नाम' महोत्सव की शुरुआत कर समाज में व्याप्त रूढ़िवादी सोच को बदलने की दिशा में ऐतिहासिक पहल की। उन्होंने बताया कि स्व. तरुण कौशल के प्रयासों से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने हेतु सैकड़ों सिलाई केंद्र स्थापित किए गए, जिनसे हजारों महिलाओं और बालिकाओं को प्रशिक्षण प्राप्त हुआ।

बराड़ा। कार्यक्रम में महिलाओं को सम्मानित करते हुए ट्रस्ट सदस्य।

कमेटी के चेयरमैन ने सुनीं सब्जी कारोबारियों की समस्याएं

सब्जी कारोबारियों को नहीं मिल रही बुनियादी सुविधाएं

जसविंद्र सिंह ने जल्द ही समाधान का दिया आश्वासन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

अंबाला शहर की नई सब्जी मंडी में मार्केट कमेटी के चेयरमैन जसविंद्र सिंह उगाड़ा ने पहुंचकर सब्जी विक्रेताओं के साथ बैठक की। उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना। बैठक के दौरान बड़ी संख्या में सब्जी विक्रेता मौजूद रहे।

सब्जी विक्रेताओं ने बताया कि वे नियमित रूप से हर महीने मार्केट कमेटी और सरकार को निर्धारित शुल्क व अन्य देय राशि जमा करते हैं। ताकि बदले में उन्हें मंडी परिसर में सभी आवश्यक सुविधाएं मिल सकें। इसके बावजूद अभी तक उन्हें मूलभूत सुविधाओं से वंचित रहना पड़ रहा है, इसके साथ ही उन्होंने यह भी मुद्दा उठाया कि बिना पंजीकरण वाले रेहड़ी चालक मंडी के बीचों-बीच अपनी रेहड़ियां लगा लेते हैं जिसके कारण पंजीकृत सब्जी विक्रेताओं तक ग्राहकों की पहुंच नहीं हो पाती और उनके व्यापार पर सीधा असर पड़ता है। सब्जी विक्रेताओं की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुनने के बाद मार्केट कमेटी के चेयरमैन जसविंद्र सिंह उगाड़ा ने उन्हें आश्वासन दिया कि इन सभी समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। जल्द ही मंडी से संबन्धी मुद्दों को पूर्व राज्य मंत्री असीम गोयल के समक्ष रख जाएगा और सुविधाओं में सुधार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि संबंधित विभागों से तालमेल कर एक सप्ताह के भीतर बिजली व्यवस्था, चार्जिंग पॉइंट और अवैध रूप से लगने वाली रेहड़ियों की समस्या का समाधान किया जाएगा, ताकि मंडी में व्यवस्था सुचारु हो सके और सब्जी विक्रेताओं को राहत मिल सके। इसके बाद सब्जी विक्रेताओं ने उम्मीद जताई है कि उन्हें पूरी उम्मीद है कि चेयरमैन के आश्वासन के बाद इस बार उन्हें सिर्फ आश्वासन ही नहीं बल्कि जल्द ही जमीनी स्तर पर सुधार देखने को मिलेगा।

अंबाला। सब्जी विक्रेताओं की समस्याएं सुनते चेयरमैन जसविंद्र सिंह।

पिछला साल भारतीय कला, साहित्य व संस्कृति के लिए बहुत महत्वपूर्ण और उत्साहवर्धक रहा। साल के शुरुआत में यूनेस्को ने भारत के दो प्राचीन ग्रंथों 'श्रीमद्भगवद्गीता' और 'नाट्यशास्त्र' को मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर में शामिल किया, जोकि भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को वैश्विक पहचान व मान्यता देता है। वहीं साल के अंतिम महीने में यूनेस्को ने भारत के प्रमुख पर्व दीपावली को अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सूची में शामिल किया। ये उपलब्धियां भारत की कला, आध्यात्मिक व सांस्कृतिक विरासत को विश्व में एक विशेष स्थान व मान्यता प्रदान करती हैं। कला-संस्कृति से जुड़े दिग्गज, बता रहे हैं वे इस उपलब्धि को किस तरह देखते हैं?

भारतीय सांस्कृतिक विरासत को मिली वैश्विक पहचान

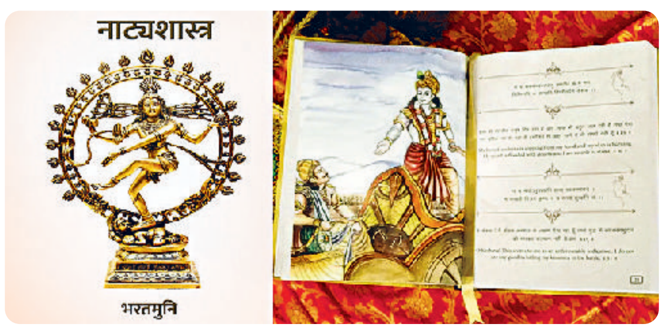

{ आवरण कथा }

यह देश के लिए सांस्कृतिक पुनर्जागरण का ऐतिहासिक क्षण है

डॉ. संध्या पुरेचा अध्यक्ष-संगीत नाटक अकादमी

यूनेस्को द्वारा प्राचीन ग्रंथों 'नाट्यशास्त्र' और 'श्रीमद्भगवद्गीता' का पंजीकरण तथा दीपावली का भारत की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के रूप में घोषित होना, भारत के लिए अत्यंत गौरव, आत्म-सम्मान के साथ ही सांस्कृतिक पुनर्जागरण का ऐतिहासिक क्षण है। यह केवल अंतरराष्ट्रीय मान्यता नहीं बल्कि भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा, दार्शनिक दृष्टि और जीवन मूल्यों की वैश्विक स्वीकृति है।

'नाट्यशास्त्र' भारतीय कलाओं की आत्मा है। यह रंगमंच, नृत्य और संगीत का शास्त्र होने के साथ-साथ मानव भावनाओं, रस अभिव्यक्ति और सौंदर्यबोध का वैज्ञानिक और सार्वकालिक ग्रंथ है। वहीं 'श्रीमद्भगवद्गीता' कर्म, धर्म, भक्ति और ज्ञान के माध्यम से मानव जीवन के लिए एक सार्वभौमिक दर्शन प्रस्तुत करती है। इन दोनों ग्रंथों को यूनेस्को में स्थान मिलना यह सिद्ध करता है कि भारतीय ज्ञान परंपरा आज भी संपूर्ण मानवता के लिए प्रासंगिक और मार्गदर्शक है। दीपावली का अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के रूप में मान्यता पाना भारत की लोक-आस्थाओं और सांस्कृतिक चेतना की वैश्विक स्वीकृति है। यह पर्व केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं बल्कि सामाजिक एकता, नैतिक मूल्यों, आशा और सद्भाव का उत्सव है, जो संपूर्ण राष्ट्र को एक सूत्र में बांधता है और मानवता को सकारात्मक ऊर्जा का संदेश देता है। इन उपलब्धियों का भारत की सांस्कृतिक कूटनीति, कला, शिक्षा, अनुसंधान, पर्यटन तथा परंपरागत ज्ञान के संरक्षण और संवर्धन पर दूरगामी प्रभाव होगा। इससे हमारी युवा पीढ़ी अपनी जड़ों से जुड़ने के साथ-साथ भारतीय संस्कृति के वैश्विक महत्व को भी समझ सकेगी। संगीत नाटक अकादमी भी इस दिशा में सतत प्रयास करेगी कि हमारी परंपराएं जीवंत बनी रहें, अगली पीढ़ियों तक पहुंचे और वैश्विक मंच पर गरिमापूर्ण ढंग से प्रस्तुत हों। *

भारतवासियों के लिए विश्वस्तर की यह बड़ी उपलब्धि है

रोहित त्रिपाठी अभिनेता-निर्देशक, अध्यक्ष-अपस्टेज आर्ट ग्रुप

नाट्यशास्त्र को यूनेस्को मेमोरी ऑफ वर्ल्ड रजिस्टर में शामिल करना दर्शाता है कि हमारा नाट्यशास्त्र प्राचीन नाट्यमंच पद्धति है। पूरे विश्व में यह स्वीकारोक्ति हुई है कि नाट्यशास्त्र वह ग्रंथ है, जिसमें हमें मंच पर प्रस्तुत करने की सारी विधाएं प्राचीन काल से बताई गई हैं। इसे अब यानी लंबे इंतजार के बाद वर्ल्ड रजिस्टर में शामिल किया गया, जबकि यह काम बहुत पहले हो जाना चाहिए था। विश्व की यह स्वीकारोक्ति हमें बताती है कि विश्व के जितने भी महान रंगकर्मी हुए, उन्होंने कहीं न कहीं हमारे नाट्यशास्त्र से गहन अध्ययन किया और अपनी एक थ्योरी बनाकर प्रकाशित की। यह बहुत खुशी की बात है कि अभी हाल ही में दीपावली को अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर के रूप में शामिल किया गया। इससे प्रतीत होता है कि हमारी सनातन परंपरा और उसके उत्सव विश्व को आगे ले जाने में कितनी मदद करते हैं। यह हम रंगकर्मियों के लिए भारतवासियों के लिए विश्वस्तर की एक बड़ी उपलब्धि है। स्वामी विवेकानंद ने इसीलिए कहा था कि समस्त विश्व के लोग हमारे भाई-बहन हैं। हम विश्व के कल्याण के लिए काम करते हैं। यह हम सभी रंगकर्मियों के लिए गर्व की बात है कि हमारे पास नाट्यशास्त्र है। बस उसे सरलतम बनाकर प्रस्तुत करने के लिए हमारे देश के विद्वानों को आगे आना चाहिए ताकि हर रंगकर्मी तक वह उनकी सरल भाषा में पहुंच सके। वे उसे समझकर अपना ज्ञानवर्धन कर सकें। *

ये उपलब्धियां हासिल होना हर भारतीय के लिए गौरव का पल है

पद्मश्री डॉ. भरत गुप्त
कार्यकारी उपाध्यक्ष-एनएसडी

'श्रीमद्भगवद्गीता' व 'नाट्यशास्त्र' को यूनेस्को द्वारा मेमोरी ऑफ वर्ल्ड रजिस्टर में शामिल किया जाना, हर भारतीय के लिए गौरव का पल है। 'श्रीमद्भगवद्गीता' एक प्राचीन ग्रंथ है, जिसे सदियों से खूब पढ़ा जा रहा है। 'नाट्यशास्त्र' को लेकर मुझे विशेष प्रसन्नता है, क्योंकि पश्चिम के लोग अभी भी इस बात को नहीं जानते कि 'नाट्यशास्त्र' रंगमंच की व्याख्या है और इतनी व्यापक व्याख्या और कहीं नहीं है। बेशक कुछ पश्चिम के लोग नाट्यशास्त्र के विषय में जानते हैं लेकिन अब और विदेशी इसे पढ़ेंगे। दोनों ग्रंथों को मेमोरी ऑफ वर्ल्ड रजिस्टर में रखवाने में आईजीएनसीए की बड़ी भूमिका रही। मैं आईजीएनसीए में ट्रस्टी हूं, हमारी पूरी टीम इस काम में लगी थी।

'श्रीमद्भगवद्गीता' दर्शन का ग्रंथ है, जिसमें कर्म, योग, ज्ञान और भक्ति की व्याख्या है। जीवन में क्या करना है, जीवन कैसे, किन मूल्य को लेकर जीना है, आप कैसे कर्म करेंगे? यह हमें गीता सिखाती है। इस तरह 'श्रीमद्भगवद्गीता' एक योद्धा की किताब है। उस योद्धा की मानसिकता की मनोदशा, हम सभी की जिंदगी में कभी न कभी किसी न किसी रूप में आती रहती है। गीता हमें सिखाती है कि श्रेष्ठ जीवन कैसा हो? जीवन जैसा भी है, अच्छा, बुरा, कुछ ऊंचे पात्र, कुछ नीचे, नायक, खलनायक इन सबको दिखाने वाला ग्रंथ 'नाट्यशास्त्र' है। गीता के संदेश को हम बच्चे से लेकर बुजुर्गों तक नाटक के माध्यम से पहुंचा सकते हैं। इन ग्रंथों को जनता तक पहुंचाना बहुत जरूरी है।

दीपावली के संदर्भ में यही कहूंगा कि यूनेस्को ने इसे सांस्कृतिक धरोहर माना है। यह गर्व की बात है लेकिन अब हमें देखना होगा कि क्या हम दीपावली को उसके मूल स्वरूप में मना रहे हैं? साथ ही विजया दशमी के महत्व को समझें, तभी दीपावली का सही अर्थ समझ आएगा। *

हम सांस्कृतिक पुनर्जागरण का युग देख रहे हैं

डॉ. सच्चिदानंद जोशी सदस्य सचिव-इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र

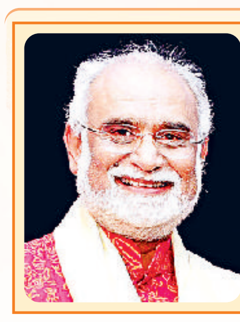

हम सांस्कृतिक पुनर्जागरण का युग देख रहे हैं। स्वतंत्रता से पूर्व हम गुलाम मानसिकता में जीते रहे इसलिए हमें हमारी सांस्कृतिक विरासत व वैभव का अहसास नहीं हुआ। हमारी अस्मिता बोध को जगाने का काम इस समय हो रहा है। यह निरंतर प्रक्रिया चल रही है। विरासत भी विकास भी, का मंत्र लेकर हम आगे बढ़ रहे हैं। इस दृष्टि से देखें तो पिछला एक साल उसी निरंतर किए जा रहे कार्यों का गौरवशाली साल रहा। पहले हमने 'नाट्यशास्त्र' व 'श्रीमद्भगवदगीता' को यूनेस्को मेमोरी ऑफ वर्ल्ड रजिस्टर में दर्ज कराया। यह इस बात को रेखांकित करता है कि हमारी परंपराएं कितनी पुरानी हैं, हमारी सांस्कृतिक जड़ें कितनी गहरी हैं। श्रीमद्भगवद्गीता को काफी पहले से ही विश्वभर में बहुत आदर, सम्मान के साथ पढ़ा जाता रहा है। अब जब हमारा नाट्यशास्त्र वर्ल्ड रजिस्टर में शामिल होता है तो हमें पूरे विश्व को यह बताने का अवसर मिलता है कि ऐसा शास्त्र हमारे यहां दो हजार साल पूर्व लिखा गया। तब जबकि विश्व की अधिकांश सभ्यताएं इस पूरे शास्त्र के बारे में जानती भी नहीं थीं। इस दृष्टि से यह बहुत महत्वपूर्ण है। दीपावली का अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर में शामिल होना, हमें विश्व को यह बताने का अवसर देता है कि हमारे देश में पर्व मनाने की निरंतरता कितनी बड़ी है। साथ ही यह भी कि हमारे पर्व किस तरह से सर्वसमावेशी हैं। हमने किस तरह अपनी पुरातन परंपराओं को मान्यताओं को बचाकर रखा है और आगे तक बचाने का संकल्प किया है। इस तरह विश्वस्तर पर ये तीनों उपलब्धियां हमारे लिए बहुत मायने रखती हैं। *

प्रस्तुतिः रेनू खंतवाल

विशेषः राष्ट्रीय युवा दिवस, 12 जनवरी

स्वामी विवेकानंद ने न केवल भारत की सांस्कृतिक श्रेष्ठता को संपूर्ण विश्व में प्रतिष्ठित किया, यहां की धार्मिक चेतना का पुनर्जागरण करने में भी भूमिका निभाई। यही नहीं लगभग सवा सदी से अधिक समय गुजरने के बाद भी स्वामी विवेकानंद, देश के युवाओं के लिए आदर्श और अद्वितीय मार्गदर्शक बने हुए हैं।

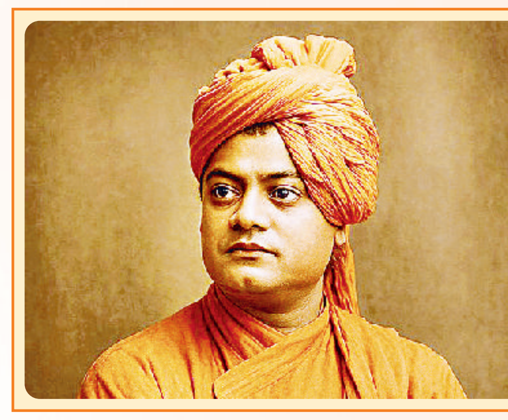

स्वामी विवेकानंद आज भी हैं युवाओं के आदर्श-मार्गदर्शक

{ प्रेरक व्यक्तित्व }
शिखर चंद जैन

ब्रिटिश शासनकाल के समय पश्चिमी देश, भारत की उपेक्षा किया करते थे। दरअसल, वे हमारे देश की अद्वितीय सनातन संस्कृति और गौरवमयी सभ्यता से परिचित ही नहीं थे। ऐसे समय में 12 जनवरी 1863 को जन्मे स्वामी विवेकानंद (बचपन का नाम नरेंद्र) ने युवावस्था में ही दुनिया में भारतवर्ष का मान बढ़ाने में अभूतपूर्व भूमिका निभाई।

भारतीय संस्कृति को दिलाया मानः स्वामी विवेकानंद, भारत के पहले युवा संत थे, जिन्होंने सनातन धर्म का संदेश विश्व भर में फैलाया और इसकी महत्ता पूरे विश्व को समझाई। उन्होंने विश्व में सनातन मूल्यों, धर्म और भारतीय संस्कृति की श्रेष्ठता को स्थापित किया और इसका मान बढ़ाया। 11 सितंबर, 1893 को अमेरिका स्थित शिकागो में आयोजित विश्व धर्म संसद में उनके भाषण ने दुनिया भर के धार्मिक और आध्यात्मिक संतों पर एक अमिट छाप छोड़ी। उन्होंने अपने उद्बोधन की शुरुआत जब 'मेरे प्यारे अमेरिकी बहनों और भाइयों' से की तो पूरा हाल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। इस पर उन्होंने कहा, 'जिस गर्मजोशी और सौहार्दपूर्ण माहौल में मेरा स्वागत किया है, उससे मेरा हृदय गद-गद है। भारत भूमि के सभी समुदायों, वर्गों, लाखों-करोड़ों भारतीयों की तरफ से मैं आपको कोटि-कोटि धन्यवाद देता हूं।' उन्होंने यह भी कहा, 'मुझे उस धर्म व राष्ट्र से संबंध रखने पर गर्व है, जिसने दुनिया को सहिष्णुता और सार्वभौमिकता का पाठ सिखाया। हम न केवल सार्वभौमिक सहनशीलता में विश्वास रखते हैं बल्कि सभी धर्मों को सत्य के रूप में स्वीकार करते हैं। मुझे भारतीय होने पर गर्व है, जिसने विभिन्न राष्ट्रों के पीड़ितों और शरणार्थियों को आश्रय दिया है।'

धार्मिक सहिष्णुता के पक्षधरः भारतीय संस्कृति के मूल भाव धर्मनिरपेक्षता को वे बहुत महत्वपूर्ण मानते थे। उन्होंने सदैव सार्वजनिक संस्कृति के रूप में धार्मिक सहिष्णुता का समर्थन किया, क्योंकि वे सद्भाव और शांति के पक्षधर थे। स्वामीजी, जाति या धर्म के आधार पर बिना किसी भेदभाव के लोगों की सेवा करने को सर्वश्रेष्ठ मानव धर्म मानते थे। उनके विचारों में धर्मनिरपेक्षता के संबंध में तुष्टिकरण के लिए कोई स्थान नहीं था। 1893 में विश्व धर्म संसद में ऐतिहासिक व्याख्यान देने के बाद उन्होंने यूरोप का भी दौरा किया। स्वामी विवेकानंद ने देश की महान आध्यात्मिक विरासत को आगे बढ़ाते हुए एकता की भावना को प्रसारित किया।

मातृभूमि के प्रति अगाध श्रद्धाः स्वामीजी जब अमेरिका और ब्रिटेन की यात्रा कर चार साल बाद भारत लौटे तो उन्होंने यहां की पवित्र भूमि को साष्टांग दंडवत कर नमन किया। उनके मन में मातृभूमि के प्रति अपार श्रद्धा और प्रेम था। वे कहते थे कि मातृभूमि का कण-कण पवित्र और प्रेरक होता है, इसलिए इस धूलि में रमा हुआ हूं।

परम विद्वान-विनम्र व्यक्तित्वः स्वामी विवेकानंद के बारे में नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने लिखा है, 'स्वामीजी इसलिए महान हैं कि उन्होंने पूर्व और पश्चिम, धर्म और विज्ञान, अतीत और वर्तमान में सामंजस्य स्थापित किया, देशवासियों ने उनकी शिक्षाओं से अभूतपूर्व आत्म-सम्मान, आत्मनिर्भरता और आत्म-विश्वास आत्मसात किया है।' इसी ऐतिहासिक संबोधन से प्रभावित होकर प्रख्यात ब्रिटिश इतिहासकार ए.एल. बाशम ने कहा था, 'स्वामी विवेकानंद जी को भविष्य में आधुनिक दुनिया के प्रमुख निर्माता के रूप में हमेशा याद किया जाएगा।'

युवाओं के प्रेरणास्रोतः स्वामी विवेकानंद मानते थे कि युवाशक्ति ही देश, समाज और दुनिया को सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ा सकती है। उन्होंने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा था 'उठो, जागो और तब तक मत रुको, जब तक मंजिल प्राप्त न हो जाए।' वे युवाओं से भरपूर आशा और उम्मीद रखते थे। उनके लिए युवा पीढ़ी ही परिवर्तन की अग्रदूत हो सकती है। वे चाहते थे कि युवाओं में विशाल हृदय के साथ मातृभूमि और जनता की सेवा करने की दृढ़ इच्छा शक्ति हो। वे युवाओं का आह्वान करते हुए कहते थे, 'देश में जहां भी प्लेग या अकाल का प्रकोप है, या जहां भी लोग संकट में हैं, आप वहां जाएं और उनके दुःखों को दूर करें। आप पर देश के भविष्य की उम्मीदें टिकी हुई हैं।'

स्वामी विवेकानंद, आधुनिक भारत के उन महानतम आध्यात्मिक गुरुओं और विचारकों में से एक थे, जिन्होंने न केवल भारतीय संस्कृति का विश्व भर में गौरव बढ़ाया, बल्कि युवाओं को ऊर्जा, आत्मविश्वास और चरित्र-निर्माण का एक नया मार्ग भी दिखाया। स्वामी जी का दर्शन और आदर्श भारतीय युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत आज भी बना हुआ है। स्वामी विवेकानंद के सुझाए रास्ते पर चलकर ही एक भारत-श्रेष्ठ भारत, आत्म-निर्भर भारत और भारत को विश्व गुरु बनाने का सपना साकार किया जा सकता है। *

{ कविता }
अवतार सिंह अक्षरजीवी

आगाह

ऐसा नहीं है कि आकर्षण नहीं है
मेरी आंखों में किसी के लिए,
ऐसा भी नहीं है कि मैं कह दूं कि
मेरी भावनाएं मुझे शून्य मानती हैं,
बहुत प्रेम कर लेने के बाद
प्रेम करने का जी नहीं करता
मेरा मन इस तरह का उदार भी नहीं है,
फिर क्या सत्य है?
जो प्राप्त है, उसे पाने के बाद से
लगातार खोते चले जाना
भव्यता से खंडहर हो जाना
भरी-पूरी झील से कीचड़ हो जाना
सुर मिलना, अंत में एकाकी रह जाना
मुझे प्रेम के प्रति आगाह करता है-
प्रेम को पा लेना
प्रेम के समापन की लंबी यात्रा है,
प्रेम को न पाना
प्रेम करते चले जाने की निष्क्रियता है।

{ व्यंग्य }
भूपेंद्र भारतीय

जैसे चुनावों के समय कुछ कार्यकर्ता निःस्वार्थ भाव से दल की सेवा करते हैं और चुनाव जीतने के बाद मेवा किसी और के हाथ लगता है। उसी तरह आखिर में मंगल जैसों की थाली में सिर्फ पतला तरीनुमा पानी रह जाता है।

तपेली में तरी ही बची

मंगल के साथ पिछले दिनों बड़ा धोखा हो गया। धोखा क्या कहूं, मंगल की भाषा में यह एक तरह से 'सेवा का शिकार' होने जैसा है। या कहें, ये वही धोखा था, जो एक आम राजनीतिक कार्यकर्ता के साथ चुनाव के बाद जीतने वाला दल करता है। वैसे ही जैसे बड़े बाबू, चपरासी और कार्यालय के अन्य छोटे बाबुओं के साथ करते हैं, रिश्वत में आया अधिकांश माल बड़े बाबू निगल लेते हैं और अन्य के पास सिर्फ पतली तरी बचती है। सिर्फ दाल का पानी ही पानी, फिर उस तपेली में चम्मच हिलाते रहो। ऐसा ही पिछले दिनों मंगल के साथ हुआ। वह पिछले दिनों अपनी जाति के प्रतिभा सम्मान आयोजन में गया था, जिसे बड़ी होशियारी से समाजवादी ढंग में सामाजिक आयोजन कहा गया था। पहले आयोजन में सामाजिक नेताओं के द्वारा भाषणबाज प्रतिभाओं को जैसे जबरन पकड़कर सम्मानित किया गया हो। उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए जातिगत नेताओं द्वारा दो शब्द कहे गए। वे दो शब्द स्वयं की प्रशंसा में ज्यादा थे।

मंगल इस आयोजन में कार्यकर्ता की भूमिका में था। उसे किसी ने बोला नहीं था। ना ही चुनावी उम्मीदवारों की सूची जैसी किसी सूची में उसका नाम था और ना ही इसके लिए उसने कोई याचिका लगाई थी। वह भावुकता में चला गया। उसे सेवा करने का भी कुछ मन हुआ था। जैसे आजकल सब तरफ सेवा के लिए लोग जाते हैं। नेतागण देश की सेवा के लिए पागल हो रहे हैं। युवा अलग तरह से सेवा करना चाहता है। जैसे राष्ट्रीय स्तर पर इस देश का युवा 'देश सेवा' के लिए गलाकाट प्रतियोगी परीक्षा पास करता है और फिर कुछ ही वर्षों में सेवा के नाम पर भ्रष्टाचार के मामलों से देश के अखबारों में बड़ी-बड़ी हेडलाइन बनाता है। वहीं संसदीय और विधायी समितियों में जनप्रतिनिधि देश सेवा व नवाचार के नाम पर चार-पांच देशों की यात्रा करते हैं और जनप्रतिनिधि होने का कर्त्तव्य निभाते हैं। वैसे ही मंगल भी उस आयोजन में सेवा के लिए चला गया। जैसे युवा शुरू-शुरू में राजनीतिक-सामाजिक आंदोलनों में जाता है और भीड़ का शिकार हो या तो भावुकता में अपने हाथ-पैर तुड़वा लेता है या फिर पुलिस थाने के रजिस्टर में अपना नाम दर्ज कराकर राजनीति का स्थाई खिलाड़ी बन जाता है।

मंगल को भी लगा कि बड़े आयोजन में उसके हाथ कुछ तो आएगा। उसके जीवन में भी कुछ मंगल हो जाएगा। जैसे कर्मठ कार्यकर्ताओं की सेवा से मंत्रीजी जनसेवा करते हैं। उसे भी नेतृत्व की अग्रिम पंक्ति में आने का रोग चढ़ा। उसे भी लगा, समाज सेवा करने पर गाढ़ी तरी व साग दोनों का आनंद मिलेगा। वह भी अब नया कुर्ता-पायजामा पहनकर समाज सेवा की तपेली में अपनी सेवा रूपी चम्मच हिलाने गया था। उसने पढ़ा था, इस सेवा के लिए आजादी से पूर्व और उसके बाद बड़े-बड़े लोग, अपनी जमी-जमाई वकालत, व्यापार, जागीरदारी आदि छोड़कर इस सेवा में कूद पड़े थे। तो भला मंगल अपने समाज के आयोजन में टाट-पट्टी बिछाने से लेकर भोजन परोसने तक का काम क्यों नहीं कर सकता? आगे मंच और माइक भी मिलेगा। पूर्व में तो उसके जैसे कार्यकर्ताओं द्वारा समाज सेवा के लिए प्राण तक न्यौछावर कर दिए। क्या उन्होंने कम तरी-साग का आनंद उठाया? कैसे मालामाल हो गए! जैसे वे इस सेवा के लिए ही बने हों।

मंगल की मानें तो उस आयोजन में वह समाज सेवा के भाव से गया था। लेकिन उसका भाव वही था, जो अधिकांश सामाजिक संगठनों का रहता है। समाज में दबे-कुचले लोगों की सेवा के नाम पर सरकार से अनुदान की तरी-साग दोनों का आनंद उठाते हैं। मंगल सबको साग-तरी परोसता है। उसने सोचा यह सब मुझे भी मिलेगा। उसे भी दूसरे कार्यकर्ता तरी वाली साग परोसने आएंगे। जैसे मतदाता पांच साल में एक बार मतदान करने जाता है तो उसे लगता है कि देश अब उसके मत से चलेगा। लेकिन परिणाम देखकर कुछ दिनों में उसका मत बदल जाता है। और देश की राजनीति अपने मद में चलने लगती है। सत्ता के हाथी की चाल में उसकी आवाज दब जाती है। कहां तो वह दबे-कुचलों की आवाज उठाने आया था और चुनाव बाद वह स्वयं दबा-कुचला-सा हो जाता है।

धीरे-धीरे वह तरी-साग की सच्चाई जानने लगता है। कौन तरी खा रहा है और किसके हिस्से साग आता है? और अंत में बड़ी जनसंख्या को सिर्फ साग के पतले पानी से ही संतुष्ट होना पड़ता है। जैसे उस दिन मंगल ने बहुत मेहनत की थी। भाग-भाग कर सबको भोजन कराया। आयोजन को सफल बनाने में निःस्वार्थ भाव से सेवा की। जैसे चुनावों के समय कुछ कार्यकर्ता निःस्वार्थ भाव से दल की सेवा करते हैं और चुनाव जीतने के बाद मेवा किसी और के हाथ लगता है। उसी तरह आखिर में मंगल जैसों की थाली में सिर्फ पतला तरीनुमा पानी रह जाता है। *

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

काव्यात्मक गद्य में लेखिका के मनोभाव

वर्तमान हिंदी कविता परिदृश्य में नीलेश रघुवंशी एक प्रतिष्ठित नाम हैं। कविता से इतर उनके द्वारा रचित दो उपन्यासों को भी बहुत पसंद किया गया है। अब हाल में प्रकाशित होकर आई पुस्तक 'गद्य का पानी' में उनके काव्यात्मक गद्य की रवानगी देखते ही बनती है। यह किसी एक विधा की सीमाओं में बंधी किताब नहीं है। यहां कई विधाओं का ऐसा मनोरम कोलाज नजर आता है, जो हमें लेखिका के भावजगत में उतरने, उनकी रचनात्मकता को बिल्कुल करीब से महसूसने और उनकी महीन संवेदनाओं को स्पर्श करने का रास्ता मुहैया कराता है। चार खंडों में बंटी इस किताब में नीलेश अपने अतीत से लेकर वर्तमान में आवाजाही करती नजर आती हैं। 'मन की चिट्ठी' खंड में वे मन, जीवन और समाज के विभिन्न तलों में उतरकर सृजन के रहस्य तलाशती हैं तो 'गद्य का पानी' खंड में अपने कुछ प्रिय रचनाकारों के सृजन जगत से गुजरते हुए, उत्पन्न विचारों को भी संजोती चलती हैं। उनके कुछ संस्मरणों और यात्रा संस्मरणों को 'आवारगी' खंड में पढ़ सकते हैं। अंतिम खंड 'जनरल बोगी' में संकलित उनके कुछ वक्तव्य और टिप्पणियां, हमें रचनाकार की अबूझ-अनदेखी सी सृजन भूमि में झांकने का झरोखा उपलब्ध कराती हैं। कहना चाहिए कि यह पुस्तक, पाठक को कई विधाओं से तैयार किश्ती के जरिए लेखिका के काव्यात्मक गद्य के अप्रतिम प्रवाह का आनंद लेने का अवसर प्रदान करती है। *

पुस्तकः गद्य का पानी,
लेखिकाः नीलेश रघुवंशी,
मूल्यः 399 रुपए,
प्रकाशकः राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

सांस्कृतिक आयोजन
धीरज बसाक

राजस्थान के बीकानेर में प्रत्येक वर्ष जनवरी के दूसरे सप्ताह में आयोजित होने वाला ऊंट महोत्सव, दुनिया भर में प्रसिद्ध है। 'रेगिस्तान का जहाज' कहे जाने वाले ऊंट के महत्व को दर्शाते और राजस्थान की लोक संस्कृति की झलक दिखाते इस महोत्सव की कुछ विशेषताओं के बारे में यहां बता रहे हैं।

लोक जीवन-संस्कृति की झलक दिखाता
राजस्थान का बीकानेर ऊंट महोत्सव

बीते दो दिनों से राजस्थान के बीकानेर में चल रहे वार्षिक ऊंट महोत्सव-2026 का आज अंतिम दिन है। राजस्थान की मरुस्थलीय आत्मा, जब परंपरा-लोकजीवन और आधुनिक समय से संवाद करती है, तब बीकानेर ऊंट उत्सव जैसा अनूठा सांस्कृतिक महोत्सव जन्म लेता है। यह केवल पर्यटन आयोजन भर नहीं है बल्कि उस सभ्यता का उत्सव है, जिसने ऊंट को जीवन-सहचर बनाया है।

जीवंत संवाद रचता महोत्सव: मानव सभ्यता के विकास क्रम में शुरू से ही ऊंट बहुत महत्वपूर्ण रहे हैं। विशेष तौर पर राजस्थान के लोक जीवन की बात करें तो ऊंट, यहां के लोगों की यात्राओं, व्यापार, सुरक्षा और जीविका के हर मोड़ पर सहचर के रूप में मिलता है। ऊंटों की इसी प्रासंगिकता और उनकी सांस्कृतिक उपस्थिति को राजस्थान की विशिष्ट संस्कृति के रूप में देश और दुनिया के पर्यटकों के सामने प्रस्तुत करता है बीकानेर में हर साल आयोजित होने वाला यह ऊंट महोत्सव। यह उत्सव राजस्थान की परंपरा एवं संस्कृति को मंच देता है और वर्तमान से उसका जीवंत संवाद रचता है।

वर्तमान-अतीत की झलक: राजस्थान के थार इलाके में सदियों से ऊंट, जीवनरेखा का महत्वपूर्ण अंग रहा है। यात्रा, व्यापार, कृषि और रक्षा, हर क्षेत्र में उसकी भूमिका महत्वपूर्ण रही है। बीकानेर रियासत के दौर में ऊंटों की नस्ल सुधार, उनकी साज-सज्जा और प्रशिक्षण की एक विलक्षण परंपरा विकसित हुई, जिसने आगे चलकर ऊंट उत्सव की आधुनिक प्रस्तुति की रूपरेखा तय किया। यह उत्सव न सिर्फ लोकस्मृति और लोकसंस्कृति को मंच देता है बल्कि नई पीढ़ी को भी अपनी परंपरा से जोड़कर रखता है। उत्सव के दौरान सजे-धजे ऊंटों की भव्य परेड, ऊंट नृत्य, ऊंटों की सौंदर्य प्रतियोगिता और कौशल प्रदर्शन जैसी गतिविधियां मिलकर रेगिस्तान की सौंदर्य भाषा को अनंत विस्तार देते हैं। लोकसंगीत, कालबेलिया और घूमर की थाप पर जब ऊंट लयबद्ध ढंग से चलते हैं, तो लगता है समय ठहर गया है और दर्शक इतिहास के साथ वर्तमान को एक फ्रेम में देख रहे हैं।

हर गतिविधि करती है आकृष्ट: भव्य ऊंट शोभा परेड, ऊंट नृत्य, ऊंट करतब, ऊंट सौंदर्य प्रतियोगिता, ऊंट दौड़ और कौशल प्रदर्शन, लोकसंगीत, कालबेलिया और घूमर जैसे लोकनृत्य, शिल्प, खान-पान मेला और दीप प्रज्वलन की सांस्कृतिक संध्या, इस उत्सव के मुख्य आकर्षण होते हैं। ऊंट परेड में जहां सजे-धजे ऊंटों की भव्य रंग-बिरंगी कदमताल देखने को मिलती है, वहीं ऊंट नृत्य कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षित ऊंट, लोक धुनों पर लयबद्ध होकर थिरकते हैं। अपनी तरह के अनोखे आयोजन ऊंट सौंदर्य प्रतियोगिता के तहत ऊंटों की कद-काठी, साज-सज्जा और चाल-ढाल के आधार पर किसी एक सर्वश्रेष्ठ ऊंट को विजेता चुना जाता है। ऊंट दौड़ के कौशल प्रदर्शन में मरुस्थलीय मैदानों में गति और नियंत्रण का प्रदर्शन करते हुए ऊंट दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देते हैं। ढोलक, खड़ताल और अलगोजा की धुनों पर नृत्य करतीं राजस्थानी महिला नृत्यांगनाएं, कालबेलिया और घूमर जैसे लोक नृत्यों पर राजस्थानी लोक-संस्कृति का उत्सव प्रस्तुत करती हैं। इस महोत्सव में ऊंट के ऊनी उत्पाद, कशीदाकारी, मिट्टी के शिल्प जैसे प्रसिद्ध राजस्थानी शिल्प का उत्सव भी सजता है। खान-पान की बात करें, तो इस उत्सव में बीकानेरी भुजिया, रसगुल्ला तथा घेवर जैसे पारंपरिक व्यंजनों का पर्यटक बड़े चाव से स्वाद लेते हैं।

कई रूपों में है महत्वपूर्ण: बीकानेर ऊंट उत्सव, राजस्थान और देश के सांस्कृतिक उन्नयन में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। इससे देश की भव्य विरासत का संरक्षण भी संभव होता है। इससे ऊंट पालन, पारंपरिक साज-सज्जा और लोककला का दस्तावेजीकरण व मंचन होता है। इससे विलुप्त होती परंपराओं को नया जीवन मिलता है। देश-विदेश से आने वाले पर्यटक राजस्थान की लिविंग कल्चर देखते हैं, जिससे भारत की सॉफ्ट पावर को बल मिलता है। इस महोत्सव में युवाओं की भागीदारी, उन्हें आधुनिकता और परंपरा से परिचय कराता है। इन सब वजहों से ऊंट उत्सव एक अनूठा उत्सव बन जाता है।

ऊंट उत्सव के प्रमुख आकर्षण: अगर आप इस उत्सव में शामिल होने जा रहे हैं तो सुबह की परेड और शाम को होने वाले सांस्कृतिक आयोजन में हिस्सा लेने से न चूकें। इस उत्सव में आपको स्थानीयता का भरपूर रस मिलेगा, जो इस उत्सव की विशेष खूबी है। उत्सव में लोक संस्कृति, खान-पान और हस्तशिल्प का सौंदर्य देखने को तो मिलता ही है। इस उत्सव में अगर शामिल होने के लिए आप आ रहे हैं तो आस-पास के अन्य ऐतिहासिक दर्शनीय स्थलों की यात्रा करने का अवसर भी मिल जाता है। कुल मिलाकर बीकानेर का ऊंट उत्सव एक ऐसा उत्सव है, जिससे रंगीले राजस्थान की धज बनती है। *

तन-मन में करे ऊर्जा का संचार
सांस्कृतिक पर्व मकर संक्रांति

मकर संक्रांति पर्व की धार्मिक, सांस्कृतिक महत्ता तो है ही, इसके स्वास्थ्य संबंधी कई पहलू भी बहुत महत्वपूर्ण हैं। यहां जानिए, इस पर्व से जुड़ी उन परंपराओं के बारे में, जो शारीरिक-मानसिक स्वास्थ्य को बेहतरी प्रदान करते हैं।

पर्व-महात्म्य / डॉ. मोनिका शर्मा

मकर संक्रांति केवल एक धार्मिक, सांस्कृतिक या पारंपरिक त्योहार भर नहीं है। यह सामाजिक समरसता, मेल-जोल और मदद के उन मानवीय भावों से जुड़ा उत्सव है, जिनकी आज के बिखरते भरोसे के परिवेश में बहुत अधिक दरकार है। अहम बात यह भी है कि यह उत्सव सेहत बनाने और संवारने का पाठ भी पढ़ाता है। बीते कुछ बरसों में रोग प्रतिरोधक क्षमता अच्छी होने की महत्ता को हमने अच्छे से समझ लिया है। परंपरागत खान-पान और संतुलित जीवनशैली का महत्व भी अब और गहराई से समझ आया है। ऐसे में मकर संक्रांति जैसे पर्व से जुड़ी हमारी मान्यताएं और क्रिया-कलाप स्वास्थ्य सहेजने वाले हैं।

सधी दिनचर्या की अहमियत: यह त्योहार ना केवल हमारे रहन-सहन, खान-पान और दिनचर्या में बदलाव लेकर आता है बल्कि सेहत के लिए भी कई संदेश लिए है। गुनगुनी धूप वाले इस मौसम में हमारी दिनचर्या भी बदल जाती है। यह पर्व, प्रकृति के जरिए स्वास्थ्य को सहेजने की सीख देता है। मकर संक्रांति पर सूर्य के उत्तर दिशा में जाने से दिन बड़े होने लगते हैं और इसी के साथ वसंत ऋतु का भी आगमन होता है। मकर संक्रांति से प्रकृति भी करवट बदलती है। जो सर्दियों के बाद ऊर्जा से भरी दिनचर्या की ओर लौटने का समय होता है। ऊर्जा और उजास का यह पर्व, प्रकृति के बदलाव संग सामंजस्य बनाए हुए अनुशासित जीवन जीने की सीख देता है। आज वैज्ञानिक अध्ययन और चिकित्सकों की सलाह भी मन और तन दोनों को सहेजने के लिए सधी दिनचर्या को सबसे जरूरी बताते हैं।

अच्छे स्वास्थ्य के लिए जरूरी धूप: इस पर्व पर पतंग उड़ाने की परंपरा है। यह केवल मनोरंजन भर नहीं है। पतंग उड़ाने की यह रीत सेहत से भी जुड़ी है। मौजूदा जीवनशैली में कई व्याधियां तो केवल धूप की कमी के कारण ही जड़ें जमा रही हैं। ऐसे में खुले आसमान तले छत पर पतंग उड़ाना और सूर्य की किरणों का सीधे हमारे शरीर के संपर्क में आना भी सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है। अब तो वैज्ञानिक भी इस बात की पुष्टि कर चुके हैं कि धूप में बैठने से शरीर को विटामिन-डी मिलता है। कई तरह के कीटाणु खत्म होते हैं और मन भी अवसाद से दूर रहता है। नींद अच्छी आती है। ब्लड सर्कुलेशन अच्छा होता है। जिससे शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ती है। रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। यह प्राकृतिक उजास समग्र जीवन को संवारती है। मनोभावों में संतुलन लाती है। अवसाद और थकान को दूर कर ऊर्जावान जीवनचर्या से जोड़ती है।

बेहतर होती है मानसिक सेहत: सर्दियों का मौसम एक ठहराव लाता है, जिसमें मन अनमना सा रहता है। संक्रांति पर्व से मौसम का बदलाव और खिली धूप की रंगत मन को सुकून देती है। यही वजह है कि यह पर्व मन की सेहत को बेहतर बनाने वाला भी है। यह प्रकृति का आभार जताने का पर्व भी है। साथ ही सूर्य की उपासना का यह पर्व, यह भी सिखाता है कि हम देना सीखें। क्योंकि सूर्य अपना प्रकाश, ऊर्जा और रोशनी की सौगात पूरे संसार को बिना किसी भेदभाव के बांटता है। माना जाता है कि सूर्य का उत्तर दिशा में होना भी आध्यात्मिक रूप से काफी महत्व रखता है। उत्तरायण में सूर्य के होने से व्यक्ति में नई ऊर्जा का संचार होता है। इस समय खिली धूप से मन को सकारात्मकता की उजास मिलती है। सूरज की किरणें पड़ने पर अच्छा महसूस कराने वाले हार्मोन, सेरोटोनिन और एंडोर्फिन का स्राव बढ़ता है, जिससे हमारे मन को खुशनुमा अहसास की सौगात मिलती है।

त्योहारी आहार से बढ़े इम्युनिटी: देश भर में लोग मकर संक्रांति के त्योहार पर तिल, मूंगफली, गुड़, चावल और उड़द की दाल जैसे आहार का सेवन करते हैं। इन सभी चीजों में सबसे ज्यादा महत्व तिल को दिया जाता है, जो शरीर को निरोग रखता है। मकर संक्रांति के पर्व पर जिन चीजों को खाने में शामिल किया जाता है, वे पौष्टिक होने के साथ ही साथ शरीर को ऊर्जा देने वाली भी होती हैं। इस पर्व पर खाई जाने वाली लगभग सभी चीजें रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाली हैं। समझना मुश्किल नहीं कि सांस्कृतिक विरासत ही नहीं सेहतमंद रहने के मोर्चे पर भी यह त्योहार बहुत महत्वपूर्ण है। आध्यात्मिक ही नहीं वैज्ञानिक आधार भी लिए है। समझना जरूरी है कि बिखरते मन-जीवन के इस दौर में तो सामाजिक और वैज्ञानिक चेतना जगाने वाले ऐसे पर्वों की सार्थकता और बढ़ गई है। *

सजेशन
नरेंद्र कुमार

डिजिटल टेक्नोलॉजी में माहिर होना, आज कामयाबी की सबसे जरूरी मेरिट बन गई है। आज हर जगह जिस योग्यता की सबसे ज्यादा डिमांड है, वह डिजिटल टेक्नोलॉजी ही है। इस बारे में आपको पता होना चाहिए।

प्रोफेशनल सक्सेस के लिए
जरूरी है डिजिटल स्मार्टनेस

आज के दौर में प्रोफेशनल सक्सेस सिर्फ डिग्री, अनुभव या पुराने सर्टिफिकेट पर निर्भर नहीं करती है। वास्तव में प्रोफेशनल सक्सेस की परिभाषा अब बिल्कुल बदल चुकी है। कंपनियों से लेकर स्टार्टअप तक हर जगह अब जिस एक चीज की योग्यता सबसे ज्यादा समझी जाती है, वह है डिजिटल स्मार्टनेस। इसलिए डिजिटल टेक्नोलॉजी में एक्सपर्ट होना जरूरी है।

आज के दौर की जरूरत: पिछले एक दशक से प्रोफेशनल वर्ल्ड में जितना तेज बदलाव हुआ है, पिछले 50 सालों में उतना बदलाव किसी क्षेत्र में नहीं हुआ। एआई आटोमेशन, रिमोट वर्क, एप इकोनॉमी ने लगभग हर सेक्टर की कार्यशैली को एक नई दिशा दी है। दरअसल, अब लगभग सभी सेक्टर्स में पेपर वर्क बहुत कम होता है। अधिकांश काम डिजिटल स्क्रीन पर ही होते हैं, इसलिए हर सेक्टर का वर्किंग सेंटर डाटा बन चुका है। मीटिंग्स अब ऑफिस में आमन-सामने बैठकर कम, ऑनलाइन ज्यादा होती हैं। इसलिए टेक एक्सपर्ट एंप्लॉइज ही कंपनी की पहली पसंद बन गए हैं। ऐसे में अगर अपने करियर में निरंतर आगे बढ़ना है तो डिजिटल स्किल में दक्षता हासिल करिए, यही एकमात्र आगे बढ़ने का जरिया है। आपके पास एकेडमिक कोई भी डिग्री हो, अगर आपमें डिजिटल स्किल नहीं है तो याद रखिए कि आसानी से नौकरी नहीं मिलने वाली। अगर मिल भी गई तो आप अपने करियर में बहुत आगे तक ग्रो नहीं कर पाएंगे।

हर सेक्टर के लिए है जरूरी: प्रोफेशनल करियर कोई भी हो, लेकिन आज हर सेक्टर के लिए डिजिटल टेक्नोलॉजी जरूरी हो चुकी है। फिर चाहे वह शिक्षा का क्षेत्र हो, स्वास्थ्य का क्षेत्र हो, कृषि क्षेत्र हो, बैंकिंग हो, पत्रकारिता हो, कानून हो, बिजनेस या इंजीनियरिंग हो, हर क्षेत्र डिजिटल टेक्नोलॉजी से ही संचालित होता है। इसलिए आज किसी भी करियर के लिए ये क्षमताएं जरूरी हैं। जानकारी खोजने की डिजिटल क्षमता, ई-मेल हैंडलिंग, ऑनलाइन कम्युनिकेशन, सोशल मीडिया मैनेजमेंट, एआई टूल्स का उपयोग, एक्सेल पावर, वीआई जैसे डाटा टूल्स, टीम वर्क के लिए जूम, स्लैक, टीम्स जैसे प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल, सोशल मीडिया और डिजिटल ब्रांडिंग जैसी स्किल्स जो व्यक्ति अपने करियर में नहीं अपनाता या अपनाने की क्षमता नहीं रखता, तो समझिए वो मॉडर्न जॉब मार्केट से आउटडेटेड हो जाएगा।

एआई को बनाएं अपना कुलीग: बीते कुछ वर्षों में एआई, हर प्रोफेशनल सेक्टर में हमारा कुलीग बनने के दौर में प्रवेश कर चुका है। एआई अब सिर्फ मशीन टूल नहीं, कई कामों में मददगार बन चुका है। एआई अब प्रोफेशनली आगे बढ़ने में बहुत हेल्पफुल हो सकता है। यह ऐसे तरीकों से आपकी मदद कर सकता है, जिसके बारे में पहले कभी सोचा भी नहीं गया था। प्रेजेंटेशंस को तैयार करना, प्रोजेक्ट की प्लानिंग करना, कोड-ऑटोमेशन, इंटरव्यू की तैयारी और नए स्किल्स सीखने में यह बहुत हेल्पफुल साबित हो रहा है। आज एआई के उपयोग करने वाले प्रोफेशनल रूटीन वर्क को दूसरे लोगों के मुकाबले 40 से 50 फीसदी कम समय में कर लेते हैं। जाहिर है, दूसरों से ज्यादा प्रोफेशनल ग्रोथ कर पाते हैं। इसलिए अपने करियर में मनचाही कामयाबी चाहते हैं, लेकिन अभी तक डिजिटल टेक्नोलॉजी में दक्ष नहीं हैं तो बिना देर किए सबसे पहले इसमें दक्षता हासिल कर लें।

हर सेक्टर के लिए अलग डिजिटल टूल: आज कंपनियां अपने लिए एंप्लॉइज रिक्रूट करते समय यह नहीं पूछतीं कि आप कंप्यूटर जानते हैं या नहीं बल्कि पूछते हैं, आप कौन-सा डिजिटल टूल कितनी दक्षता से इस्तेमाल कर सकते हैं? क्योंकि आज कोई ऐसा क्षेत्र नहीं है, जिसके लिए कोई विशेष डिजिटल स्किल न मौजूद हो। जरा इन कुछ डिजिटल तकनीकों पर नजर दौड़ाइए और फिर सोचिए इनमें से किस टूल में दक्ष होना आपके प्रोफेशनल ग्रोथ के लिए जरूरी है। जैसे-डाटा एनालिटिक्स, साइबर सिक्यूरिटी बेसिक्स, सोशल मीडिया मैनेजमेंट, ऑटोमेशन टूल्स, एक्सेल एडवांस, ग्राफिक-वीडियो टूल, सीआरएम/ईआरपी सॉफ्टवेयर, एआई सपोर्ट, वर्क फ्लो आदि। इन सारे के सारे टूल्स को ऑपरेट करना अब प्रोफेशनल मेरिट लिस्ट का आधार बन चुका है और करीब-करीब हर क्षेत्र की जॉब का हिस्सा बन चुका है।

पावरफुल है डिजिटल नेटवर्किंग: अब नॉर्मल रेज्यूमे से कहीं ज्यादा लिंक्डइन जैसे प्लेटफॉर्म शक्तिशाली साबित हो रहे हैं। यहां की आपकी तस्वीर, प्रोफाइल, पोस्ट, कमेंट, बातचीत, सब आपकी डिजिटल पहचान बनाते हैं। डिजिटल नेटवर्किंग के बहुत फायदे हैं। इससे अच्छे प्रोफेशनल अवसरों तक सीधे पहुंच बनती है। इंडस्ट्री लीडर से सीधा संवाद होता है। कई तरह की नौकरियों का पता चलता है। किसी खास प्रोजेक्ट और फ्रीलांस काम करने का भी अवसर मिलता है। इसके जरिए हर प्रोफेशनल अपने आप में सेल्फ ब्रांड बन सकता है, यह कंसेप्ट भी डिजिटल मीडिया से ही आया है। आज 50 प्रतिशत से ज्यादा कॉर्पोरेट जॉब्स डिजिटल रेफरल या नेटवर्क से मिल रही हैं और यह आंकड़ा यहां रुका नहीं है, लगातार ऊपर की ओर बढ़ रहा है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि क्यों डिजिटल टेक्नोलॉजी में दक्षता आज की सबसे बड़ी जरूरत बन गई है।

ई-लर्निंग के खुले रास्ते: आज सफल करियर का मंत्र है, 'जो सीखना बंद कर देता है, वह आगे बढ़ना भी बंद कर देता है।' डिजिटल टेक्नोलॉजी की सबसे बड़ी देन है, ऑनलाइन सीखने की असीमित आजादी। कोरसेरा, उडेमी, एनबीटीएल, गूगल सर्टिफिकेट्स, यू-ट्यूब पर उपलब्ध कोर्सेस, आज ऐसे अनेक प्लेटफॉर्म है, जहां जबर्दस्त असीमित ज्ञान है। लेकिन अगर आप डिजिटल टेक्नोलॉजी से अंजान हैं, तो यह सारा ज्ञान आप नहीं पा सकते हैं। इसलिए आपका रेग्युलर डिजिटल नॉलेज से खुद को अपडेट करते रहना जरूरी है। *

सिने ट्रेंड
हेमंत पाल

हिंदी फिल्म निर्माण के आरंभिक दौर से ही साहित्यिक कृतियों पर आधारित फिल्में बनती रही हैं। हालांकि इन फिल्मों की सफलता का प्रतिशत कम ही रहा है। इसकी प्रमुख वजहों के साथ यहां कुछ ऐसी फिल्मों पर भी नजर डाल रहे हैं, जो साहित्यिक कृतियों पर आधारित रहीं।

साहित्यिक कृतियों पर बनी फिल्में
कम हुईं सफल-अधिकांश रहीं असफल

किसी भी साहित्यिक कृति पर आधारित फिल्म बनाने के लिए फिल्म के निर्माता-निर्देशक और स्क्रिप्ट राइटर का उस साहित्यिक कृति के मूल भाव को समझना पहली शर्त होती है। कथाकार की भावना को समझना, उसमें मनोरंजन का पक्ष ढूंढ़ना और सबसे बड़ी बात, यह पता लगाना कि जब यह पर्दे पर आएगी तो इसे दर्शक स्वीकारेंगे या नहीं, इन बातों को जानना-समझना बहुत जरूरी है।

शुरुआत से बन रहीं साहित्यिक फिल्में: साहित्य और सिनेमा दोनों ही अलग विधाएं हैं। लेकिन फिल्म निर्माण के आरंभिक दौर से ही साहित्यिक कृतियों पर आधारित फिल्में बनती रही हैं। हां, इस तरह की साहित्य-आधारित फिल्में संख्या की दृष्टि से कम जरूर बनी हैं। हिंदी की पहली फिल्म 'राजा हरिश्चंद्र' भी भारतेंदु हरिश्चंद्र के नाटक 'राजा हरिश्चंद्र' पर आधारित थी। बाद में प्रेमचंद की कई कालजयी कृतियों पर फिल्में बनाई गईं। कुछ फिल्में चलीं, तो कुछ को दर्शकों ने नकार दिया। साहित्यिक कृतियों पर फिल्में बनाने के अब तक कई प्रयोग हुए, पर ज्यादातर को सफलता नहीं मिली! जितना किसी साहित्यिक कृति को पसंद किया गया, उस पर बनी फिल्में उतनी सफल नहीं रहीं।

साहित्यिक कृति पर आधारित यादगार फिल्में: बॉलीवुड में साहित्यिक रचनाओं पर आधारित कुछ फिल्मों की बात करें तो प्रेमचंद के उपन्यास 'गोदान' पर इसी नाम से बनी फिल्म, फणीश्वर नाथ रेणु की कहानी पर बनी 'तीसरी कसम', महाश्वेता देवी की कहानी पर बनी 'रुदाली', विमल मित्र के उपन्यास पर बनी 'साहब, बीवी और गुलाम', रवींद्र नाथ टैगोर की कहानी 'नष्टनीड़' पर सत्यजीत रे की फिल्म 'चारुलता', ये कुछ यादगार फिल्में हैं। भगवतीचरण वर्मा के उपन्यास 'चित्रलेखा' पर केदार शर्मा ने फिल्म बनाई, जो सफल भी रही। कमलेश्वर की कृतियों पर आधारित गुलजार द्वारा बनाई गई फिल्में 'आंधी' और 'मौसम' की गिनती भी साहित्य पर आधारित बेहतरीन फिल्मों में होती है। बांग्ला फिल्मकार बासु चटर्जी ने राजेंद्र यादव के उपन्यास पर आधारित 'सारा आकाश' और मन्नू भंडारी की कहानी 'यही सच है' पर आधारित 'रजनीगंधा' जैसी प्रशंसनीय फिल्में बनाईं। शरतचंद्र के उपन्यासों पर भी फिल्में बनीं, जिनमें 'देवदास' भी शामिल है।

'रेणु' की कहानी पर बनी 'तीसरी कसम'

नहीं चलीं साहित्य पर आधारित ये फिल्में: साहित्य पर आधारित कई ऐसी फिल्में बनीं, जिसे आशानुकूल सफलता नहीं मिली। चंद्रधर शर्मा गुलेरी की कहानी 'उसने कहा था' पर भी फिल्म बनी। आचार्य चतुरसेन शास्त्री के उपन्यास 'धर्मपुत्र' पर बीर.आर. चोपड़ा ने फिल्म बनाई। कहानीकार राजेंद्र सिंह बेदी की कृति 'एक चादर मैली सी' पर भी फिल्म बनी, पर वह भी अपेक्षा के अनुसार नहीं चली। इन फिल्मों के असफल होने का एक कारण संभवतः यह भी था कि फिल्मकार और कलाकार लेखक के मर्म को पकड़कर उसे पर्दे पर ठीक से उतार नहीं पाए! हाल के वर्षों में कथाकार काशीनाथ सिंह की मशहूर कृति 'काशी का अस्सी' पर चंद्र प्रकाश द्विवेदी ने फिल्म 'मोहल्ला अस्सी' बनाई, पर यह फिल्म भी दर्शकों की कसौटी पर खरी नहीं उतरी। अपने संवादों को लेकर फिल्म विवादों में फंसी सो अलग।

प्रभाव छोड़ने में असफल रही 'मोहल्ला अस्सी'

कमलेश्वर के उपन्यास पर आधारित फिल्म 'आंधी'

साहित्य और सिनेमा में होता है अंतर: साहित्य किसी दृश्य या घटना की जो व्याख्या या विश्लेषण करता है, हर पाठक के पास वही पहुंचता है। पाठकों के स्तर में अंतर के आधार पर उसका प्रभाव भी अलग-अलग होता है। जबकि सिनेमा, दृश्य माध्यम होता हैं। उसके पास व्याख्या और विश्लेषण की सुविधा बहुत कम होती है। साहित्य में जो व्याख्या उसके प्रभाव को बढ़ा देती है, उसी व्याख्या की कोशिश सिनेमा के असर को कमजोर कर देती है। जो विवरण साहित्य की ताकत होता है, वही सिनेमा की कमजोरी बनकर सामने आता है। साहित्य की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि पाठक इसे पढ़ते हुए अपनी कल्पनाशक्ति से दृश्यचित्र बनाता है। जबकि सिनेमा में दर्शक को डायरेक्टर की कल्पनाशक्ति देखनी पड़ती है।

होती हैं व्यावसायिक बाध्यताएं: हर फिल्म के पीछे व्यावसायिक दबाव भी काम करता है। ये दबाव भी होता है कि मनोरंजन के बीच साहित्यकार की सोच, उसकी कृति के साथ भी पूरा इंसाफ हो। साहित्यकार अपनी कल्पना शक्ति से पाठकों को जिस कहानी से रूबरू करवाता है, फिल्मकार उसे उतनी ईमानदारी से पर्दे पर उतार भी पाता है या नहीं, ये भी ध्यान रखने वाली बात है। एक ही कहानी को अलग-अलग पाठक अपने मानस में अलग प्रभाव के साथ लेते हैं। जबकि फिल्मकार को उसे हर दर्शक के नजरिए से सजाना पड़ता है। इन्हीं कारणों से अधिकांश मशहूर साहित्यिक कृतियों के फिल्मी प्रयोग खास सफल नहीं हो पाए। इसे हिंदी फिल्मों का दुर्भाग्य ही माना जाना चाहिए कि फिल्मकारों और फिल्म से जुड़े अधिकांश लोगों का साहित्य से कोई सरोकार नहीं रहा, जबकि अन्य क्षेत्रीय और विदेशी भाषाओं में बनी कई फिल्में, साहित्यिक कृतियों से जुड़ी रहीं। हम उम्मीद कर सकते हैं आने वाले समय में शायद फिल्मकारों की नजर अच्छी कहानियों पर पड़े, वे उन्हें पर्दे पर सफलतापूर्वक उतार सकें और इस तरह की फिल्में सफल भी हों। *

मन्नू भंडारी की कहानी पर बेस्ड 'रजनीगंधा'